प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

www.mahikihunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

जिस दिन आपके सामने कोई समस्या नही आए तो समझ लेना आप गलत रास्ते पर जा रहे है....
स्वामी विवेकानंद

वर्ष-06, अंक-36 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 30 मई 2024 | पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

लू से अब मिलेगी राहत, इन 14 राज्यों में होगी बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी।

तपती गर्मी के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक अच्छी खबर दी है। मौसम एजेंसी ने दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान सहित कई क्षेत्रों में बारिश की भविष्यवाणी की है। इसके अलावा आईएमडी ने मॉनसून की ताजा स्थिति की भी जानकारी दी है। आईएमडी ने कहा है कि, 30 मई से इन राज्यों में बारिश हो सकती है, जिसके कारण तापमान में कमी देखने को मिलेगी। आपका बता दें कि आईएमडी ने पूर्वानुमान लगाया था कि 31 मई को केरल में मॉनसून दस्तक देने के लिए तैयार है।

आईएमडी ने दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। 29 मई को राजस्थान के कई हिस्सों, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ इलाकों और उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी की स्थिति जारी रहने की

संभावना है। धीरे-धीरे इसमें कमी आने की उम्मीद है। उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में भीषण गर्मी की स्थिति 30 मई से धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है।

दिल्ली के मौसम का हाल...?

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में आज तेज हवाओं के साथ लू की स्थिति बनी रहेगी। अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 26.6 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हालांकि, कल बारिश के बाद हीटवेव की स्थिति में कमी दर्ज की जा सकती है।

मॉनसून का क्या है हाल...?

आईएमडी ने अपनी रिपोर्ट में मॉनसून का भी उल्लेख किया है। मौसम विभाग ने कहा है कि, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून मालदीव और दक्षिण अरब सागर के कुछ स्थानों तक आगे बढ़ गया है। अगले 3-4 दिनों में केरल में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के लिए स्थिति अनुकूल हो जाएगी।

इन राज्यों में भारी बारिश के आसार

आईएमडी के अनुसार, अगले सप्ताह अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम जैसे राज्यों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी भविष्यवाणी की है कि दक्षिण तमिलनाडु और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती परिसंचरण होने के कार 29 और 30 मई को केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

जज ने खारिज की याचिका, फैसले से नाराज शख्स ने फेंकी चप्पलों की माला

इंदौर।

आपने अपने बड़े-बुजुर्गों को यह कहते हुए जरूर सुना होगा की गुस्सा खराब चीज है। कई बार गुस्से में शख्स ऐसा काम कर देता है जिसका उसे बाद में बहुत अफसोस होता है। ऐसा ही एक मामला मध्य प्रदेश के इंदौर में सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने गुस्से में जज पर चप्पलों की माला फेंक दी। जिसकी वजह से एमजी रोड पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफकेस दर्ज किया गया है।

क्यों फेंकी माला

एमजी रोड पुलिस ने मोहम्मद सालीम नाम के व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसने मंगलवार दोपहर को भूमि विवाद से संबंधित याचिका खारिज होने पर जज पर चप्पलों की माला फेंक दी। एमजी रोड पुलिस स्टेशन के प्रभारी विजय सिसोदिया ने कहा, आरोपी मोहम्मद सलीम को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफआईपीसी की धारा 353 (किसी सरकारी कर्मचारी को उसके आधिकारिक कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और 331 (किसी व्यक्ति को गंभीर चोट पहुंचाने के लिए दंडित करना, जिससे कबूलनामा या संपत्ति की बहाली के लिए मजबूर किया जा सके) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सलीम पर 29वें जिला और एडिशनल सेशन जज विजय डांगी पर चप्पलों की माला फेंकने का आरोप है। जज ने उसकी भूमि विवाद से संबंधित याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उसने यह काम किया।

वकीलों ने पीटा

सिसोदिया ने आगे बताया, कोहिनूर कॉलोनी निवासी सलीम ने 2012 में कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि फातिमा मस्जिद कमेटी ने सरकारी जमीन और उनकी जमीन के कुछ हिस्से पर अवैध कब्जा कर लिया है। सलीम ने मस्जिद द्वारा किए गए अवैध कब्जे को हटाने के लिए कोर्ट में केस दायर किया था। पैमाइश करने पर पता चला कि जमीन मस्जिद की है। जज पर चप्पलों की माला फेंकने के बाद कोर्ट में मौजूद वकीलों ने आरोपी को तुरंत पकड़ लिया। उन्होंने उसकी पिटाई कर दी और उसके कपड़े भी फाड़ दिए।

भारत आते ही होगी गिरफ्तारी, प्रज्वल रेवन्ना ने मांगी अग्रिम जमानत

बेंगलुरु।

कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना ने भारत लौटने से पहले ही अग्रिम जमानत की अर्जी दी है। दो दिन पहले जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित सांसद प्रज्वल ने एक वीडियो बयान जारी कर कहा था कि वह 31 मई को विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होंगे। प्रज्वल के ऐलान के बाद कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि, प्रज्वल रेवन्ना को यहां हवाई अड्डे पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मंत्री के बयान के बाद प्रज्वल ने यह अर्जी दी है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, हासन के सांसद ने म्युनिख से बेंगलुरु का 30 मई का हवाई टिकट बुक कराया है और वह 31 मई तड़के यहां पहुंच सकते हैं। परमेश्वर ने पत्रकारों से कहा, सभी जरूरी उपाय किए जाएंगे क्योंकि उनके (प्रज्वल) के खिलाफवारंट जारी किया गया है। उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। एसआईटी इंतजार कर रही है। वे उन्हें गिरफ्तार करेंगे और उनका बयान लेंगे और फिर एसआईटी की प्रक्रिया शुरू होगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रज्वल को हवाई अड्डे पर ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा तो उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी हवाई अड्डे पर ही होनी चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफवारंट जारी है। प्रज्वल (33) जद (एस) के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और हासन लोकसभा क्षेत्र से राजग के उम्मीदवार हैं। उन पर कई महिलाओं के यौन शोषण का आरोप है। बताया जाता है कि वह हासन में मतदान होने के एक दिन बाद 27 अप्रैल को जर्मनी चले गए थे। पेन ड्राइव वितरित करने के मामले में एसआईटी द्वारा दो लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा कि इस मामले में जो भी शामिल है, उसे गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा, इस संबंध में 11-12 लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। यौन शोषण का यह मामला हासन में कई पेन ड्राइव वितरित किए जाने के बाद सामने आया था।

मैदान छोड़ने वाले कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी को मिली बड़ी राहत

इंदौर।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने जमीन विवाद में एक किसान की हत्या के कथित प्रयास के 17 वर्ष पुराने मामले में इंदौर के कारोबारी अक्षय कांति बम और उनके पिता की अग्रिम जमानत याचिका बुधवार को मंजूर कर ली। पिता-पुत्र को इस आदेश से बड़ी राहत मिली क्योंकि निचली अदालत के 19 दिन पहले जारी वॉरंट के चलते उन पर इस मामले में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। बम 29 अप्रैल को उस वक्त चर्चा में आए थे, जब उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में इंदौर लोकसभा सीट से ऐन मौके पर अपना पर्चा वापस लेकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। उनके इस पाला बदल से कांग्रेस इस सीट के 72 साल के इतिहास में पहली बार चुनावी दौड़ से बाहर हो गई थी। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के जस्टिस प्रेमनारायण सिंह ने सभी संबद्ध पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अक्षय बम (46) और उनके पिता कांतिलाल (75) को अग्रिम जमानत दे दी। पिता-पुत्र ने उच्च न्यायालय में नौ मई को याचिका दायर करते हुए अग्रिम जमानत की गुहार लगाई थी, लेकिन वकीलों के निवेदन के चलते इस याचिका पर 17 मई और 24 मई की दो पिछली तारीखों पर सुनवाई आगे बढ़ा दी गई थी। इंदौर की एक सत्र अदालत ने बम और उनके पिता के खिलाफ10 मई को गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया था, लेकिन पिता-पुत्र को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी। बचाव पक्ष के वकील अजय मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा, जब 2007 में किसान युनूस पटेल ने बम और उनके पिता के खिलाफमामला दर्ज कराया था, तब उन्होंने खुद पर गोलीबारी की कोई बात नहीं की थी। प्राथमिकी दर्ज किए जाने के 17 साल के लम्बे अंतराल के बाद पटेल ने जिला अदालत में अर्जी दायर करके खुद पर गोलीबारी का आरोप लगाया जिसके बाद अदालत ने इस प्राथमिकी में भारतीय दंड विधान की धारा 307 (हत्या का प्रयास) जोड़ने का आदेश दिया।

उन्होंने बताया कि, पिता-पुत्र की अग्रिम जमानत याचिका पर बहस के दौरान पटेल द्वारा यह आरोप लगाने में की गई देरी की ओर उच्च न्यायालय का ध्यान खींचा गया। मिश्रा ने बताया, 'हमने उच्च न्यायालय से यह भी कहा कि बम और उनके पिता की शहर में कई चल-अचल संपत्तियां हैं और ऐसे में उनके फरार होने की कोई संभावना नहीं है।

नर्सिंग घोटाले मामले में पुलिस निरीक्षक बर्खास्त, मांगी थी रिश्वत

भोपाल।

मध्य प्रदेश पुलिस ने कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की सहायता करने के दौरान दो लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में पकड़े गए एक निरीक्षक की सेवाएं मंगलवार को समाप्त कर दीं। एक अधिकारी ने बताया कि मध्य प्रदेश पुलिस के अपराध अनुसंधान विभाग के निरीक्षक सुशील मजोका को नर्सिंग कॉलेजों में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं

की जांच कर रही सीबीआई के साथ काम करने के लिए तैनात किया गया था। अधिकारी ने बताया कि, सीबीआई नई दिल्ली के एक पत्र के अनुसार मजोका ने दो लाख रुपए की रिश्वत मांगी और उसे प्राप्त किया। मजोका को भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और गिरफ्तारी के बाद मजोका की सेवाएं मध्य प्रदेश पुलिस को वापस कर दी गई। उन्होंने बताया कि, मजोका के खिलाफ दर्ज मामले की जानकारी मिलने के बाद अपराध अनुसंधान विभाग के महानिरीक्षक अनुराग शर्मा ने मंगलवार को मजोका को पुलिस की छवि खराब करने और उच्च नैतिक मूल्यों को बनाए रखने में विफल रहने के कारण सेवा से बर्खास्त कर दिया। उन्होंने बताया कि मजोका को संविधान के अनुच्छेद 311 के तहत बर्खास्त किया गया है जो सरकारी कर्मचारियों की सेवाओं को समाप्त करने की अनुमति देता है। पिछले हफ्ते की शुरुआत में, सीबीआई ने अपने निरीक्षक राहुल राज की सेवाओं को समाप्त कर दिया था। एजेंसी ने राहुल राज को मलय कॉलेज ऑफनर्सिंग के अध्यक्ष अनिल भास्करन और उनकी पत्नी सुमा अनिल से कथित तौर पर 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। दंपति को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। सीबीआई की आंतरिक सतर्कता इकाई से जानकारी मिली कि उसके अधिकारी मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर राज्यव्यापी निरीक्षण करने के लिए गठित टीमों में हो रहे कथित भ्रष्टाचार में शामिल हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले की सीबीआई जांच के सिलसिले में उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार 31 जिलों में 66 नर्सिंग कॉलेजों को बंद करने का आदेश दिया है।

आप पार्टी को एक ही परिवार चला रहा- सीएम यादव

भोपाल।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने आम आदमी पार्टी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि, आम आमदी पार्टी को एक परिवार चला रहा है। इसी के साथ मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार होने पर भी मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं छोड़ने पर भी मोहन यादव ने केजरीवाल को आड़े हाथों लिया है। एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में सीएम मोहन यादव ने कहा है कि लोगों को अब केजरीवाल पर भरोसा नहीं रहा और देश का संविधान बनाने वालों की आत्मा यह देख कर रो रही होगी कि आखिर कैसे कोई जेल से सरकार चला सकता है।

केजरीवाल ने अपने गुरु की नहीं सुनी- मोहन यादव

सीएम मोहन यादव ने कहा, जब भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन में केजरीवाल ने हिस्सा लिया था और तब उन्होंने कई दावे किए थे लेकिन अब लोगों को उनपर भरोसा नहीं रहा क्योंकि उनके दावे गलत साबित हुए। मसलन- उन्होंने कहा था कि वो कभी सुरक्षा नहीं लेंगे लेकिन उन्होंने लिया, वो कभी सरकारी आवास नहीं लेंगे लेकिन उन्होंने लिया। उन्होंने कहा था कि वो कभी भी कोई राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे लेकिन उन्होंने बनाई और अपने गुरु की भी नहीं सुनी। केजरीवाल ने कहा था कि वो सबको साथ लेकर चलेंगे। लेकिन उन्होंने कुमार विश्वास, शाजिया इल्मी और आशुतोष जैसे लोगों के साथ अन्याय किया जो कि अच्छे नेता थे। सीएम ने कहा कि, जिस शख्स ने एक आईएएस अफसर को अपने घर बुला कर उनसे बदसलूकी की उनसे कोई क्या उम्मीद कर सकता है। मोहन यादव ने कहा कि सीएम का पद काफी गरिमामय पद होता है। जब सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया जेल गए तब उन्होंने उनसे इस्तीफा लिया लेकिन जब वो खुद जेल गए तब उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया।

कांग्रेस की मांग, अंजना अहिरवार की मौत के मामले में हो सीबीआई की जांच

सागर।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दलित महिला अंजना अहिरवार के परिवार के सदस्यों को पूरी मदद करने का भरोसा दिया। दो दिन पहले सागर जिले में अंजना अहिरवार की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत के मामले ने सियासी रंग ले लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्य में जंगल राज है।

चाचा और भाई की कर दी गई थी हत्या

अंजना के भाई नितिन की पिछले वर्ष कथित रूप से हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस ने अहिरवार की संदिग्ध मौत, उसके चाचा राजेंद्र और उसके भाई नितिन अहिरवार उर्फलालू की कथित हत्या की भी सीबीआई से जांच कराए जाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्य में जंगल राज है।

राहुल ने की अंजना के भाई से बात

नितिन को पिछले साल अगस्त में कुछ लोगों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला था, जबकि राजेंद्र की शनिवार को एक झड़प में घायल होने के बाद मौत हो गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को बरोदिया नोनागिर गांव में अहिरवार परिवार से मुलाकात की। उन्होंने राहुल गांधी की मोबाइल फोन कर अंजना के भाई से बात कराई।

हर संभव मदद का दिया भरोसा

राहुल गांधी ने परिवार को आश्वासन दिया कि कांग्रेस अहिरवार परिवार को

हर संभव मदद देगी। अंजना अहिरवार ने पिछले अगस्त में मामला दर्ज कराया था कि उसके भाई को उत्पीड़न के एक मामले में समझौता करने का दबाव डालने वाले कुछ लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला।

एम्बुलेंस से गिरने के बाद अंजना मृत्यु

पुलिस ने कहा कि, रविवार को सागर में एक एम्बुलेंस से गिरने के बाद अंजना मृत्यु हो गई। एम्बुलेंस उसके चाचा राजेंद्र अहिरवार का शव ले जा रही थी। उसके चाचा को शनिवार को कुछ लोगों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला था।

मां को निर्वस्त्र कर गांव में घुमाने के आरोप

जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि, महिला के साथ छेड़छाड़ की गई, फिर उसके भाई की हत्या कर दी गई और बाद में न्याय मांगते समय उसके चाचा की भी हत्या कर दी गई। उसकी मां को निर्वस्त्र कर गांव में घुमाया गया और अब शिकायतकर्ता महिला की भी हत्या कर दी गई। यह स्थिति मध्य प्रदेश में है। ऐसा प्रतीत होता है कि यहां जंगल राज कायम है।

सीबीआई जांच की मांग

जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि, प्रशासन उस व्यक्ति (राजेंद्र अहिरवार) के हत्यारों से मिला हुआ है। राहुल गांधी ने अभी महिला (अंजना अहिरवार) के परिवार से बात की है। कांग्रेस पार्टी इस पूरे मामले को परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर अदालत में ले जाएगी और सीबीआई जांच की मांग करेगी। कांग्रेस अदालत और मुख्यमंत्री के माध्यम से पूरी घटना की सीबीआई जांच का अनुरोध करेगी।

बुन्देलखंड में बाहुबलियों का राज

जीतू पटवारी ने कहा कि, यह घटना बुन्देलखंड क्षेत्र में दलितों की भयावह स्थिति को दर्शाती है जहां बाहुबलियों का राज है। इससे पहले दिन में, राहुल गांधी ने अंजना अहिरवार की मौत पर भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि हम एक ऐसी प्रणाली बनाएंगे जहां सबसे कमजोर व्यक्ति भी उत्पीड़न के खिलाफ मजबूती से आवाज उठा सकेगा।

केजरीवाल को 2 जून को ही करना होगा सरेंडर, कोर्ट से खारिज हुई जमानत बढ़ाने की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी सीएम अरविंद केजरीवाल को आज सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सीएम केजरीवाल की स्वास्थ्य जांच के लिए अंतरिम जमानत को 7 दिन बढ़ाने की मांग वाली याचिका को कोर्ट ने स्वीकार करने से खारिज कर दिया है। इसका मतलब यह है कि अरविंद केजरीवाल को अब 2 जून को सरेंडर करना होगा। शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री ने आवेदन स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा कि, चूंकि केजरीवाल को नियमित जमानत के लिए निचली अदालत में जाने की छूट दी गई है, इसलिए याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की

अवकाश पीठ ने मुख्यमंत्री की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर ध्यान दिया और कहा कि अंतरिम याचिका को सूचीबद्ध करने पर निर्णय सीजेआई द्वारा लिया जा सकता है।

1 जून तक जमानत पर हैं केजरीवाल

सीएम केजरीवाल 1 जून तक अंतरिम जमानत पर हैं। दिल्ली में कथित शराब नीति घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए 10 मई से 1 जून तक अंतरिम जमानत दी गई थी। सीएम केजरीवाल को 2 जून को सरेंडर करना होगा।

ये थी दलील

सीएम केजरीवाल की ओर से कोर्ट में जो याचिका दायर की गई थी, उसमें डॉक्टर की सलाह संलग्न करते हुए कहा गया था कि हिरासत के दौरान उनका छह-सात किलो वजन कम हुआ है और अचानक घटे वजन व सेहत संबंधी अन्य दिक्कतों को देखते हुए उन्हें पेट-सीटी (पीइटी-सीटी) स्कैन सहित कई चिकित्सीय जांचे कराने की जरूरत है जिसमें पांच-सात दिन का समय लगेगा। केजरीवाल ने 26 मई को दायर अपनी नई याचिका में कहा कि वह जेल लौटने की निर्धारित तारीख 2 जून के बजाय 9 जून को जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करेंगे।

चक्रवात रेमलः 36 मौतें, कई घर जमींदोज, ट्रेनें भी रद्द...

गुवाहाटी/आइजोल, एजेंसी।

चक्रवात रेमल के प्रभाव के कारण मंगलवार को चार पूर्वी राज्यों में भारी बारिश और भूस्खलन में कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई। इसके कारण आठ राज्यों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ और सड़क-रेल संपर्क प्रभावित हुआ। मिजोरम में 27 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से 21 की मौत आइजोल जिले में माइंस गिरने से हुई, जबकि नगालैंड में चार, असम में तीन और मेघालय में दो लोगों की मौत हुई। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए और बिजली और इंटरनेट सेवाएं बाधित हुईं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के लुमडिंग डिवीजन के तहत न्यू हाफ्लोंग-जटिंगा लामपुर सेक्शन और डिटोकचेरा यार्ड के बीच जलभराव को देखते हुए कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। साथ ही उनके समय में बदलाव किया गया। आपदा प्रबंधन और पुलिस अधिकारियों ने कहा कि, आइजोल में मेलथुम और हिलीमेन के बीच खदान स्थल से अब तक 21 शव बरामद किए गए हैं, जबकि कई अन्य अभी भी सुबह ढहने के बाद मलबे में फंसे हुए हैं। जिले के सलेम, ऐबॉक, लुंगसेई, केल्सिह और फल्कन में भूस्खलन की घटनाओं के बाद छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हैं। नगालैंड में अलग-अलग घटनाओं में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई जबकि राज्य के विभिन्न हिस्सों में 40 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं, असम में कामरूप, कामरूप (मेट्रो) और मोरीगांव जिलों में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 17 अन्य घायल हो गए।

गल्ले में से रुपए चोरी करने वाले रतनाली के दो चोर धराये

माही की गूंज, बामनिया।

चोर मस्त और पुलिस पस्त ही नजर आती है। किसी भी दुकान या घर में हुई चोरी की रिपोर्ट पुलिस अपने रिकॉर्ड को दूरस्थ रखने के लिए मामला दर्ज ही नहीं करती है। नतीजन चोर के भी हौसले बुलंद है वहीं। चोरी के बाद व्यापारी भी पुलिस की कारस्तानियों को देखते हुए कई चोरियों की रिपोर्ट या सूचना तक नहीं देते हैं। 24 मई को दो शातिर चोर बामनिया के खवासा तिराहे पर स्थित एक किराने की दुकान पर पहुंचे। दुकान के आगे अपनी बाइक खड़ी कर दोनों चोर व्यापारी सुरेश भटेवरा के लड़के से विमल आदि सामान मांग कर उसे इधर-उधर उलझाने का प्रयास किया।

इतने में गल्ले में रखे 18 हजार से अधिक नगदी राशि पर गल्ला खोल हाथ साफकरने का प्रयास किया। चोरों ने अपने हाथ साफ रुपए निकालकर कर ही लिए थे कि, व्यापारी के लड़के मनीष की नजर चोर पर गल्ले में से रुपए निकालते हुए पड़ गई और मनीष ने हिम्मत कर चोर को पकड़कर चोर-चोर चिल्लाना शुरू किया। जिस पर आसपास के कुछ लोग मनीष की दुकान के बाहर आ गए और जिसमें एक चोर चोरी किए हुए रूपयो के साथ धरा गया तो वहीं दुसरा चोर मौका देख भागने में सफल हो गया था। चोरी के रूपयो के साथ धराएं एक चोर को पंचायती कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर आई और उस चोर को मय चोरी किये रूपयो के साथ पुलिस चौकी ले गई और चोर के दूसरे साथी को चोर से फोन लगवा कर बामनिया बस स्टैंड पर बुलवाया। दूसरा चोर अपने साथी चोर के बुलाने पर बामनिया बस स्टैंड पर चला गया और पुलिस के दिमाग से दूसरे चोर को भी हाथों-हाथ पकड़ लिया। दोनों चोरों ने अपना नाम कालू पिता हकरीया कटारा व लक्ष्मण पिता दलसिंह गरवाल निवासी रतनाली तहसील थांदला का होना बताया। पुलिस ने 14250 रुपये व मोटरसाइकिल जप्त कर दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 380 के तहत मामला दर्ज कर। न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

उक्त मामले में देखा जा सकता है कि, पुलिस ने अपने दिमाग से दूसरे चोर को हाथों हाथ पकड़ लिया। इसी तरह पुलिस दूसरी चोरियों में चाह ले तो प्रत्येक छोटी बड़ी चोरियों का खुलासा, अपराध दर्ज करने के साथ कर सकती है। लेकिन लगता है पुलिस का जिस तरह का स्नेह शराब माफियाओं के साथ है, वैसा ही स्नेह चोरों के साथ भी है इसलिए छोटी बड़ी चोरी का मामला दर्ज नहीं करती और न हीं चोरी का खुलासा करती है।

खेतों को समतल कर ,अब मानसून की बारिश का इंतजार

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

जहां एक और पूरी गर्मी बरसात के साथ आंधी-तूफान में किसानो ने निकाल दी, मगर अब प्री मानसून की बारिश के पहले किसान अपने खेतों को तैयार करने में जुट गए हैं। मानसून की बारिश को ज्यादा समय नहीं बचा है इसलिए खेतों के साथ सफाई कर उसमें गोबर खाद, ओपी सहित अन्य रासायनिक उर्वरक डाल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर इसके साथ ही सोसायटी से खाद ले जा रहे हैं। मानसून आते ही किसानी कार्य में तेजी आ जाएगी। सारंगी के आसपास का क्षेत्र उन्नत कृषी क्षेत्र है। इस वर्ष मौसम विभाग की भविष्यवाणी की माने तो अच्छी बारिश के संकेत भी दिए गए हैं इसके चलते किसान अपनी खरीफफसल की तैयारी में पूरी तरह जुट चुके हैं।

इन दिनों खेतों की जुताई, समतली करण के साथ-साथ सफाई कार्य भी किया जा रहा है। कई किसानों ने अपने खेतों की जुताई कर उसे छोड़ दिया है, ताकि खेतों में रहने वाले कीट खत्म हो जाए। कई किसान, खेतों की उर्वरता को बरकरार रखने के लिए गोबर खाद डाल रहे हैं। किसानों का कहना है कि, इस साल पड़ रही तेज गर्मी से अच्छी वर्षा की उम्मीद है।

16 जून के बाद मानसून के आगमन होने की संभावना है इसको

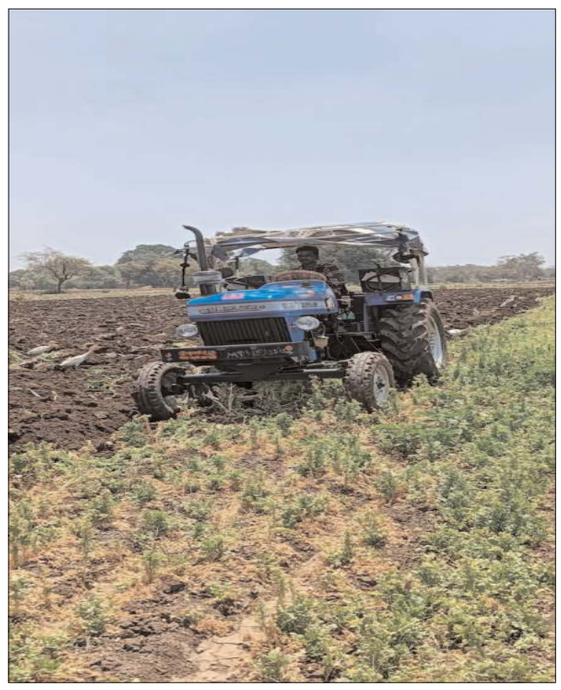

ध्यान में रखते हुए किसान सोसायटी से खाद खरीद कर ले जा रहे हैं। ताकि वर्षा के दिनों में उन्हें खाद खरीदने के लिए परेशान ना होना पड़ा। कई किसानों ने संवाददाता से चर्चा करते हुए बताया, प्रारंभिक तैयारी तो कर ही रहे हैं, वही प्रशासन भी किसानों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए खाद्य भंडारण भी युद्ध स्तर पर शुरू कर दिए हैं ताकि किसानों को परेशान नहीं होना पड़े। इस समय बाजार में अनेक तरह के नई वैरायटी के सोयाबीन बाजार में आए है जिससे किसान कौन सा बिज लेकर फसल लगा सके इसको लेकर सोच विचार में एक-दूसरे व्यापारी के साथ खुद किसान भी सोयाबीन को बीज के रूप में किसानों को दे रहे हैं।

वंदे भारत ट्रेन में धमाके की आवाज सुन सहमे यात्री, बड़ा हादसा टला

मुरैना।

मुरैना में बुधवार को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बड़े हादसे का शिकार होने से बच गई। दरअसल मुरैना के पास ट्रेन से वेलिंडग बेल्ट ट्यूमर टकरा गया, जिससे अचानक जोरदार धमाका होने की आवाज आई, जिसके बाद ट्रेन में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। धमाके की जोरदार आवाज से हर कोई कांप उठा, हालांकि कोई हादसा नहीं हुआ।

इस घटना के बाद वंदे भारत ट्रेन मुरैना स्टेशन के पास करीब 40 मिनट तक खड़ी रही। धमाके की यह आवाज वेलिंडग बेल्ट ट्यूमर के टकराने से आई थी। यह हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रेन भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन से हजरत निजामुद्दीन की तरफजा रही थी। धमाके के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही सीनियर अफसर मौके पर पहुंच गए। बता दें कि, वंदे भारत ट्रेन अपने तय समय से रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन से रवाना हुई थी। इसके बाद झांसी पहुंची और वहां से भी तय समय से रवाना हुई और फिर ग्वालियर पहुंची। यहां से रवाना होने के बाद ट्रेन मुरैना रेलवे स्टेशन पर वेलिंडग बेल्ट ट्यूमर से टकरा गई, टकराते ही एक जोरदार धमाके की आवाज हुई और ट्रेन रुक गई। इस धमाके की आवाज से ट्रेन में बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया, यात्रियों को कुछ समझ नहीं आया कि क्या हुआ है इस बीच मुरैना स्टेशन पर मौजूद रेलवे अधिकारी और रेलवे पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। वहीं घटना के बाद मौके पर पहुंचे तकनीकी स्टाफने पूरी ट्रेन की जांच की। कुछ देर के बाद उन्हें वेलिंडग बेल्ट ट्यूमर दिखाई दिया। इसके बाद उन्होंने उसे हटाया और पूरी गाड़ी की जांच की गई। तकनीकी स्टाफ ने हर उस जगह जांच की जहां उन्हें गड़बड़ी का अंदेशा था। इस वजह से ट्रेन को घटनास्थल पर ही 40 मिनट खड़ा रखा गया। तकनीकी स्टाफको जब संतुष्टि हो गई कि अब आगे कोई गड़बड़ी नहीं होगी, तब जाकर ट्रेन को आगरा के लिए रवाना किया गया।

माही नदी में मिले अज्ञात शव की हुई शिनाख्त, भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा ने सोपा ज्ञापन

माही की गूंज , पेटलावद

रतलाम-झाबुआ मार्ग पर स्थित माही नही से लगातार अज्ञात शवो का मिलना जारी है। कई बार शवो की शिनाख्त हो जाती है तो कई मामले अबूझ पहेली बन कर सरकारी फाइलों में बंद हो गई। शनिवार को एक बार फिर नदी से एक अज्ञात महिला का शव बोरे में बंद स्थिति में नदी में तैरता दिखाई दिया। ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुँच कर शव बरामद कर छानबीन शुरू की लेकिन मृतक महिला की शिनाख्त नही हो पाई थी। महिला का शव पुराना होकर काफी खराब स्थिति में आ चुका था जिससे महिला की पहचान मुश्किल हो गई। फिलहाल पुलिस ने शव को दफना कर मामले की जांच शुरू कर दी थी कि, बुधवार को पुलिस द्वारा प्रचारित फोटो ओर पहचान चिन्ह के आधार पर महिला की शिनाख्त होना बताया जा रहा है।

पुलिस जानकारी के अनुसार मृतक महिला रतलाम जिले की बताई जा रही है। शव की पहचान होने के बाद अब महिला की मौत के कारणों का खुलासा हो सकता है, बोरे में बंद मिली लाश और परिस्थितियों को देख कर महिला की हत्या होना प्रतीत हो रहा है।

पूर्व में भी मिल चुके हैं शव

माही नदी से शव मिलने की कोई पहली घटना नही है, बदमाश ओर शातिर अपराधीयो ने मुख्य मार्ग झाबुआ-रतलाम मार्ग पर स्थित माही नदी को अपने अपराधों को छुपाने एवं शव को ठिकाने लगाने का सुरक्षित स्थान समझ लिया है। पूर्व में यहाँ से शव मिलते रहे हैं जिसमे गत वर्ष बोरे में बंद मिले शव की पहचान अब तक नही हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि, बाहरी लोग अपने अपराध को छुपाने के लिए शव को इस तरह नदी में फेंक रहे हैं और मृतक भी आसपास का नही होने से उसकी पहचान नही हो पा रही है। माही नदी की सीमा पर रतलाम जिले की सीमा लगी हुई है, जहाँ हत्या के इस प्रकार के कई मामले सामने आते रहते है। जिंसमे शव को ठिकाने लगाने के लिए आरोपी अलग-अलग तरीके अपनाते हैं ।

भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा ने की गश्त बढ़ाने की मांग

उक्त मामले के सामने आने के बाद भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा इकाई ने नाराजगी व्यक्त करते हुए इस प्रकार की घटनाओं से आदिवासी क्षेत्र की बदनामी होने की बात कहते हुए नदी क्षेत्र में पुलिस गश्त बढाने की मांग करते हुए ज्ञापन सोपा है। मंगलवार को मोर्चे के पदाधिकारियों ने तहसीलदार हुकुमसिंह निगवाल को ज्ञापन सोपते हुए बताया कि, झाबुआ ज़िले की सीमा क्षैत्रान्तर्गत भाभरापाड़ा-रानसिंग (माही नदी पुलिया) तथा कसारबर्डी-खाखंरीड़ाः (माही नदी पुलिया) पर विगत कई वर्षो से अज्ञात शव (डेड बॉड़ी) मिल रही हैं। वर्तमान में 02-03 दिवस पुर्व भी अज्ञात महिलाःक़ा शव, पुलिंस द्वारा जप्त किया है। झाबुआ जिले-क़ी सीमा क्षेत्रान्तर्गत उक्त अज्ञात शवों के मिलने से हमारे पांचवी अनूसूचित क्षेत्र सहित 'जिलें की छवि घुमिल करने का काम किया जाँ रहा है। साथ ही सभी जनमानस में लगातार डर और असुरक्षा का माहोल बना हुआ है। भील प्रदेश मोर्चा ने मांग की है कि, अपराधियों द्वारा हमारे गांव, क्षैत्र व जिले क़ी छवि को धुमिल न किया जाए। जिसके लिए तहसील पेटलावद अन्तर्गत सीमा क्षैत्र भाभरापाड़ा-रानसिंग (माही नदी पुलिया) तथा कसारबर्ड़ी-खाखरोड़ा (माही नदी पुलिया) पर विशेष रूप से दैनिक गस्त एवं रात्रिकालीन गस्त स्थाई पुलीस ड्यूटी लगाई जाये। ताकि अज्ञात अपराधियों पर पैनी नजर रखी, जाकर ज़िले की छवि क़ो धुमिल होने से रोका जा सकें।

पुलिस अधीक्षक का आकस्मिक निरीक्षण

माही की गूंज,थांदला।

झाबुआ जिले मे अपराधों की रोकथाम करने व अपराधियों पर नकेल कसने के साथ ही, शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक झाबुआ पद्मविलोचन शुक्ल की अगुवाई मे जिले साहित थांदला-मेघनगर मे मध्यरात्रि समस्त थाना व चौकी की टीम द्वारा अपने क्षेत्र के गुंडे बदमाशों,असामाजिक तत्वों,निगरानीशुदा बदमाशों की चेकिंग कर उनके दैनिक गतिविधियों की जानकारी ली गई। प्राप्त जानकारी अनुसार कॉम्बिंग गस्त के दौरान 38 गिरफ्तारी वारंट,7 आबकारी एक्ट की कार्यवाही,1 जुआ सट्टा एक्ट की कार्यवाही,54 गुंडा चेक,111 निगरानी बदमाशो,31 अन्य साहित 7 जिला बदरो को चेक किया गया। सभी आपराधिक तत्वों को समझाईश दी गई की वह अपराधों से दूर रहकर परिवार के साथ जीवन यापन करे। पुलिस द्वारा जब भी उन्हे उपस्थीत् होने के लिए कहा जाए तो वे तत्काल उपस्थीत् हो। तथा क्षेत्र मे कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने मे स्थानीय पुलिस का सहयोग करे। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान देर रात रास्ते मे बेवजह घूमने वाले असामाजिक तत्वों की चेकिंग कर उन्हे अपने घर पर रहने की समझाईश दी गई।

सीएम के निर्देश के बाद अवैध माइनिंग पर हुई कार्रवाई, 200 से ज्यादा केस दर्ज

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में आयोजित बैठक के दौरान अवैध माइनिंग के खिलाफकार्रवाई के निर्देश दिए थे. बैठक के दौरान सीएम ने यह स्पष्ट किया था कि निर्धारित मापदंडों को पूरा नहीं करने वालों पर ही कार्रवाई की जाए। प्रदेश भर में अवैध उत्खनन के 200 से अधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं. इस ताबड़तोड़ कार्रवाई के खिलाफभोपाल सैंड ट्रक एसोसिएशन आक्रोशित हो गया है। एसोसिएशन का आरोप है कि जिन वाहनों की रायल्टी है उनसे भी जुर्माना वसूला गया है। बता दें, एक दिन पहले मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित बैठक के सीएम ने निर्देश दिए थे कि रेत सहित अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण तथा ओवरलोडिंग पर कार्रवाई की जाए। नदियों में निर्धारित मापदंड से हटकर उत्खनन करने वालों पर भी सख्त कार्यवाही की जाए। सीएम के निर्देशों के बाद देवास, सीहोर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, खरगौन, हरदा एवं शहडोल सहित प्रदेश में लगभग-200 प्रकरण दर्ज कर डंपर, पोकलेन मशीन, पनडुब्बी इत्यादि जब्त की गयी है। तथा एक करोड़ 25 लाख रूपये का राजस्व अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है.

गर्मी की वजह से मिलेगी ट्रैफिक सिग्नल से छूट

ग्वालियर

ग्वालियर में नौतपा के दौरान पारा 47 डिग्री को छू रहा है। ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी शहर के अंदर ट्रैफिक सिग्नल की रेड लाइट पर दो पहिया वाहन चालकों को आ रही है। वाहन चालक ट्रैफिक सिग्नल पर धूप में खड़े रहने को मजबूर हैं। इसे देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने अनोखा पहल की है। भीषण गर्मी को देखते हुए शहर के 26 तिराहे और चौराहे, जहां दोपहर में ट्रैफिक लोड कम रहता है वहां 4 घंटे के लिए सिग्नल फ्री कर दिया गया है। एसपी धर्मवीर सिंह ने बताया है कि सिग्नल को 4 घंटे के लिए बिंलकर पर करने की सहमति दे दी गई है। बुधवार से शहर के 26 ट्रैफिक सिग्नलों को फ्री कर दिया है, ताकि दुपहिया वाहन आसानी से बिना रुके सफर कर सकें। शहर में मुख्य चौराहे आकाशवाणी तिराहा, माधव नगर, नदी गेट, मोटल तानसेन, राजमाता तिराहा, वीसी बंगला, थाटीपुर, हजीरा चौराहा, जीएसटी भवन तिराहा सहित 26 तिराहे और चौराहे ऐसे हैं जहां दोपहर में 12 बजे से शाम 4 बजे तक सिग्नल बिंलकर रहेंगे।

दुपहिया वाहन चालकों का कहना है कि भीषण गर्मी में यह एक अच्छी पहल है। इस गर्मी में सिग्नल पर एक या दो मिनट खड़े रहने में भी काफी परेशान आती है। ऐसे में अब ट्रैफिक सिग्नलों को फ्री कर दिया गया है। इससे सभी वाहन चालकों को राहत मिलेगी।

नगर में डोल निकाल कर दी श्री प्रजापत को अंतिम विदाई

माही की गूंज, पेटलावद

पत्रकार जगदीश प्रजापत के पिता शम्भूलाल प्रजापत का शनिवार को निधन हो गया उनकी आयु 103 वर्ष थी। रविवार को स्व. शंभूलाल प्रजापत का अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम पर किया गया। इससे पूर्व पूरे नगर में बैंडबाजों और आतिशबाजी के साथ ड़ोल निकाली गई । अंतिम यात्रा में एक हजार से अधिक लोग शामिल हुए। मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार के पश्चात शोक सभा का आयोजन किया गया। जिंसमे समाजजनों ,नगर के वरिष्ठ नागरिकों , माही की गूंज परिवार एवं पत्रकार संघ की और से श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

103 वर्ष की आयु में भी पूर्णतः स्वस्थ रहे

स्व.शंभूलाल प्रजापत के छोटे पुत्र जगदीश प्रजापत ने बताया कि, 103 वर्ष की आयु के बाद भी पिता श्री पूर्णतः स्वस्थ थे और उनके नित्य कार्य उनके स्वयं के द्वारा बिना किसी के सहयोग के कर लिए जाते थे। उनके आदर्शों के चलते ही आज के समय मे जहा परिवार छोटे-छोटे रूप में बट गए लेकिन उनका पूरा परिवार सयुक्त रूप से रहता है जो पूरे क्षेत्र में एक मिशाल है।

केसरियानाथ व नरसिंह भगवान मंदिर अवलोकन के लिए द्वय मुनि का मंगल प्रवेश

माही की गूंज, थांदला।

बहु प्रतीक्षित केसरियानाथ, नरसिंह भगवान एवं दादा राजेंद्रसूरीश्वरजी महाराज के मंदिर जीर्णोद्धार का स्वप्न प्रसिद्ध संत ज्योतिष सम्राट जैनाचार्य पूज्य श्री ऋषभचन्द्र सुरीश्वरजी महाराज ने देखा था। जिसे पूर्ण करने का संकल्प लेकर उसे भव्यकार दे रहे उनके ही सुशिष्य सरलमना पूज्य श्री पीयूषचंद्रविजयजी महाराज एवं ओजस्वी वक्ता पूज्य श्री रजतचंद्रविजयजी महाराज साहेब का मंदिर निर्माण अवलोकन हेतु गुजरात राज्य से थांदला में मंगल प्रवेश हुआ।

उनके आगमन की सूचना से उत्साहित जैन संघ के साथ ही हिन्दू धर्मावलंबियों ने बैंड बाजों के साथ गुरुदेव की भव्य अगवानी करते हुए उन्हें जिनालय तक लाये जहाँ बने उपाश्रय में धर्म सभा के रूप में परिवर्तित किया। धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए पीयूषचंद्रविजयजी महाराज साहब ने कहा कि, जीवन में धर्म का अनुसरण पुण्य लाता है और पुण्य कार्यों से पुण्य बढ़ता है। पूज्य श्री ने अपने आने का प्रयोजन बताते हुए कहा कि, उनके गुरुदेव का दिव्य सपना था कि, थांदला नगर में केसरियानाथजी, नरसिंह भगवान व दादा गुरुदेव का भव्य मंदिर बने। इसी प्रयोजन से संघ आग्रह पर उन्होंनें आज से करीब 17 वर्ष पूर्व इस मंदिर के जीर्णोद्धार की नींव रखी व उनके अधूरे कार्य को पूर्ण करने का सौभाग्य वे हमें देकर गए। यह नियति ही है कि, आज हिन्दू सनातन धर्म व जैन धर्म के बीच आपसी प्रेम व भाईचारें के बीच भव्य मंदिर का 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है जो 2025 तक पूर्ण हो जाएगा। उन्होनें जन समूह की धैर्यता के लिए बधाई देते हुए कहा कि, थोड़ा और धैर्य रखें जहाँ केसरियानाथजी व नृसिंहजी मंदिर पूर्णता की ओर है वही गुरू मन्दिर महज दो माह में पूरा बनकर तैयार हो जाएगा। पूज्यश्री ने इसे लेकर सबको अफवाहों से बचते हुए सीधा मुनिद्वय अथवा निर्माण समिति से जिज्ञासा समाधान करने की शिक्षा दी। इस अवसर पर पूज्य श्री रजतचंद्रविजयजी महाराज ने दो रूपक के माध्यम से जन समुह को सम्बोधित करते हुए कहा कि, जीवन में आयुष्य घट रही है, तृष्णा बढ़ रही है और समझ विपरीत हो रही है। ऐसे में व्यक्ति को लक्ष्य का निर्धारण करते हुए अपने जीवन का सदुपयोग करना चहिये। इन्होनें कहा कि हम जिससे पैसा उधार लेते है उसे ही लौटाते है अन्य को लौटाना मूर्खता समझते है तो फिर पुण्य से मिला मानव जन्म पाप कार्यों में लगाकर उसे क्यों नष्ट करें जबकि इसे तो पुनः पुण्य में लगाने का प्रयास करना चाहिए।

पैदल विहार कर रहे संत सतियों को शासन-प्रशासन दे सुरक्षा

माही की गूंज,थांदला। अहिंसा के अवतार श्रमण भगवान महावीर के सिद्धांतों का पालन करते हुए जैन धर्म के संत सतिया राजकीय सुविधा का उपभोग किये बिना आराधना मय जीवन बिताते है। वे अपने जीवनकाल में जीवदया के भाव रखते हुए सकल विश्व को सत्य अहिंसा व शांति से जीवन जीने का पाठ पढ़ाते है। आज सकल विश्व में जैन समाज को कौतूहल रहित सभ्य व शांति से रहने वालें समाज के रूप में जाना जाता है। ऐसे में जैन धर्म के सजग प्रहरी आत्मसाधकों पर अभद्रता व हमला घोर निंदनीय है। यह देश के किसी भी राज्य में हो अक्षम्य अपराध की श्रेणी में आता है। इसलिए ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुण्डिया इसके लिए अनेकों बार शासन प्रशासन से मिलकर पैदल चल रहे संत सतियों को मार्ग में कड़ी सुरक्षा की मांग करते रहे है। यही कारण है कि, आज महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश सहित अनेक राज्यों में स्थानीय शासन-प्रशासन, संत सतियों को सुरक्षा प्रदान कर रहा है। तो अनेक स्थान निष्क्रिय भी है। यही कारण है कि यदा-कदा जैन समाज को व्यथित करने वाली अप्रिय घटना सामने आ जाती है। ऐसे में देश के राष्ट्रपति

महामहिम द्रोपदी मुर्मू व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से देश में पैदल चलने वालें सभी सम्प्रदाय समाज के संत सतियों को कड़ी सुरक्षा प्रदान करने की मांग समाज ने की है। आईजा के मध्यप्रदेश मंत्री प्रदीप जैन, व अन्य पदाधिकारी ने इस हेतु स्थानीय प्रशासन को एक ज्ञापन दिया है। वही अखिल भारतीय श्री जैन श्वेतांबर युवक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल दसेड़ा, प्रदेश महामंत्री प्रसन्न जैन ने बताया कि, 27 मई को गुजरात राज्य के भरूच में जैनाचार्य पूज्य श्री नीतिसुरीजी म. सा. के समुदाय की साध्वीजी मंगलवर्धना श्रीजी म. सा. आदि ठाणा 6 भरूच से देरोल की और विहार कर रहे थे। इस दौरान अज्ञात बदमाशो ने उन साध्वियों के साथ अभद्रता पूर्ण व्यवहार करते हुए बेल्ट से मारपीट तक की। ऐसे में आसपास के कुछ ठाकुर समाज के युवाओं ने उन साध्वियों की मदद की व बदमाश को पकड़ उसकी पिटाई करते हुए पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की खबर लगते ही आक्रोशित जैन समाज भरूच पुलिस अधीक्षक से मुलाक़ात कर आरोपी बदमाश पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। इधर देश भर में यह घटना तेजी से फैल गई जिससे अनेक स्थानों पर साध्वीजी के साथ हुई इस घटना पर भारतवर्ष में जैन व अन्य समाज में भी आक्रोश है। समाज के पदाधिकारियों ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि, आए दिन जैन साधु साध्वी, गुरु भगवन्तों के साथ देश प्रदेश में विहार करते समय असामाजिक तत्वों द्वारा दुर्व्यवहार किया जाता है, तो अनेक बार वाहन चालकों की लापरवाही से संत सतियों से दुर्घटनाएं हो जाती है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं के बावजूद शासन प्रशासन इन अमानवीय घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस योजना नहीं बना रहा है। जिससे संपूर्ण देश के जैन समाज में शासन-प्रशासन के खिलाफ आक्रोश का वातावरण बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जैन साधु साध्वी भगवंत राष्ट्र की संपत्ति है वे है तो भावी भारत का गौरव सुरक्षित रह सकता हौ ऐसे में जन व देश हित के आत्मसाधकों को सुरक्षित रखना शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी भी है इसलिए स्थानीय प्रशासन के माध्यम से देश में सभी पैदल चलने वालें साधु साध्वियों को कड़ी सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया

गैंग रेप घटना को लेकर जयस के बैनर तले ज्ञापन सोपा गया

पीड़ितों को 50-50 लाख की मदद की जाए - विजय डामोर

माही की गूंज ,झाबुआ

सीधी जिले में मेंजिक वाइस ऐप गेंग द्वारा 7 से अधिक आदिवासी छात्राओ, युवतियों को गुमराह कर दुष्कर्म का मामला समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी में आया है! जिसमें कॉलेज टीचर बनकर मैजिक वॉइसऐप के जरिए महिला की आवाज में बात कर आदिवासी छात्राओं से छात्रवृत्ति के लिए दस्तावेज मंगवाने के बहाने सुनसान जगह में बुलाकर अपहरण कर दुष्कर्म करने की बात सामने आई है। इस घटना ने शासन-प्रशासन को चुनोंती देने के साथ-साथ प्रदेश की बेटियों के आत्म स्वाभिमान और शिक्षा के प्रति समर्पण को कुचलकर समाज को कलंकित किया हैं।

इस घटना पर आदिवासियो कीं लड़कियों को ही निशाना बनाया गया है। जो आदिवासियों के खिलाफ म.प्र. मे हो रहे अत्याचार का जीवंत प्रमाण है। साथ ही इस घटना में संलिप्त वाइस मेंजिक के दरिंदों तक छात्राओं के मोबाइल नंबर और छात्रवृत्ति के लिए योग्यता और उनके छात्रवृत्ति फार्म/डाटा में कमी की जानकारी कैसे पहुंची ये संदेहग्रद हैं।

जयस जिलाध्यक्ष विजय डामोर ने पीड़ितों को न्याय दिलाने हेतु फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर 30 दिवस के अंदर दोशियों को फांसी की सजा दी जाए। पीड़ित छात्राओं को 50-50 लाख मुआवाजा और परिवार सहित पुलिस सुरक्षा की मांग की है ।

5 दिन चला नानी बाई का मायरा, काफी भक्त पहुंचे कथा का श्रवण करने

माही की गूंज, भामल।

ग्राम भामल में पांच दिवसीय नानी बाई के मायरे की कथा का शुभारंभ किया गया था। उक्त कथा सत्यवीर तेजाजी महाराज की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कथा शुभारंभ की गई थी। कथा वाचक सुश्री निशा दीदी के मुखारविंद से कथा सुनाई गई। अंतिम दिन में नानी बाई के मायरे की कथा सुनने के लिए काफी भक्त पहुंचे थे पूरा पंडाल खचाखच भरा हुआ था। खवासा व राजस्थान के बड़ी सरवा, पाटन, मोहकमपुरा आदि जगहों से काफी श्रद्धालु कथा का श्रवण करने के लिए पहुंचे। अंतिम दिन नानी बाई के मायरे की पूरी रश्म निभाई गई। सुश्री निशा दीदी के सानिध्य में पूरे मायरे की कथा का विवरण के

साथ नरसिंह जी ने किस तरह से नानी बाई के मायरे को भरने की पूरी कोशिश की गई तथा किस तरह से नरसिंह जी ने कथा के अनुसार बैलगाड़ी में मामरा लेकर आए जिसमें ग्रामीणों ने खूब नानी बाई के मायरे की रश्म भी निभाई। कई भक्तों ने अपनी सहायता अनुसार राशि भी भेट की गई कथा का अंतिम दिन होने के बाद 5 दिन से यज्ञ की आहुति भी दी गई। यज्ञ की पूर्णाहुति के साथी भंडारे का आयोजन रखा गया जिसमे सभी भक्तों ने प्रसादी के रूप में भोजन ग्रहण किया।

ग्रामीण अंचल में बन रहे आरोग्य केंद्र में हो रहा भ्रष्टाचार

ठेकेदार व इंजीनियर की मिली भगत से ठेकेदार कर रहा है घटिया स्तर का कार्य

माही की गूंज भामल/खवासा

इन दिनों ग्रामीण अंचलों में उप स्वास्थ्य केंद्रो का कायाकल्प करने हेतु जहां भवन स्वीकृत है वहां रिपेयर करके नया बनाया जा रहा है। तो जहां भवन नहीं है उस ग्राम पंचायत में 40 से 50 लाख के मध्य की राशि से नव निर्माण किया जा रहा है। जिसमें ग्रामीण अंचलों में ग्रामीणों को समुचित स्वास्थ्य संबंधित योजना के साथ ही समय पर ग्रामीणों को उपचार मिल सके इसी उद्देश्य से सरकार द्वारा नई-नई बिल्डिंगों का निर्माण करवाया जा रहा है।

बताते हैं झाबुआ जिले में इन दिनों चयनित ग्राम पंचायत में नई बिल्डिंग स्वीकृत करके ठेकेदार के मार्फत से स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्य करवाया जा रहा है। लेकिन ठेकेदार व स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सब इंजीनियर की मिली भगत से ठेकेदार जमकर शासन को चूना लगा रहा है। तो समय पर तरी भी नहीं की जा रही है। सीमेंट-सरिया के साथ रेत की बजाय डस्त चुरी का उपयोग किया जा रहा है। ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत मादलदा में सामने आया जहां उप स्वास्थ्य केंद्र का कायाकल्प के साथ नई बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। ताकि ग्रामीणो को स्थानिय स्तर उपचार मिल सके। इसी उद्देश्य के साथ स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक सीएचओ और एक एनएनएम की पदस्थापना भी की जा रही है। जिससे ग्रामीणों स्वास्थ्य संभधित लाभ मिल पाए। इसी उद्देश्य के साथ बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा हैं। लेकिन बिल्डिंग बनाने से लेकर पूरा निर्माण होने तक निम्न स्तर का घटिया सामग्री का इस्तेमाल ठेकेदार कर रहा है। जिसकी जिम्मेदारी है देख रेख करने की वह सब इंजीनियर कमीशन का खेल खेलते हुए ठेकेदार को पूरी छूट दे रखी है। जिससे घटिया स्तर का कार्य करने के बाद ठेकेदार शासन के पैसों की जमकर बंदरबाट कर रहे है। जिले की कलेक्टर साहिबा को चाहिए कि, वह एक नज़र इधर भी घुमाए जहां भी बिल्डिंग का काम भ्रष्टाचार के साथ हो रहा है वहां ठेकेदार पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। देखा जा रहा है की खुलेआम भ्रष्टाचार करके जनता के पैसों का दुरुपयोग हो रहा है।

मामले में जिले के स्वास्थ्य विभाग के सब इंजीनियर पवन रोमडे के मोबाइल नंबर 9926461593 से कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने फोन ही नहीं उठाया। इसी प्रकार सुपरवाइजर सुकेश सोनी ने भी जानकारी देने से बचने के लिए फोन अटेंट नही किया

मनोज गादिया बने तेरापंथी सभा के अध्यक्ष

माही की गूंज ,पेटलावद

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष पद के मनोनयन हेतु एक आवश्यक मीटिंग गत दिवस तेरापंथ भवन में आयोजित हुई। जिसमे सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद (2024-26) के लिए मनोज

सागरमल गादिया पुनः मनोनीत हुए। चुनाव अधिकारी के रूप मे एडवोकेट अमृतलाल वोरा, एडवोकेट राजेन्द्र मूणत ने मनोनयन विधिवत रूप से प्रक्रिया सम्पन्न करवाई। गादिया के मनोनयन पर तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद, महिला मंडल, कन्या मंडल, अणुव्रत समिति, श्री तुलसी बाल विकास समिति सहित जैन समाज की विभिन्न संस्थाओ की ओर से बधाई प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की मंगलकामना व्यक्त की गई।

संपादकीय

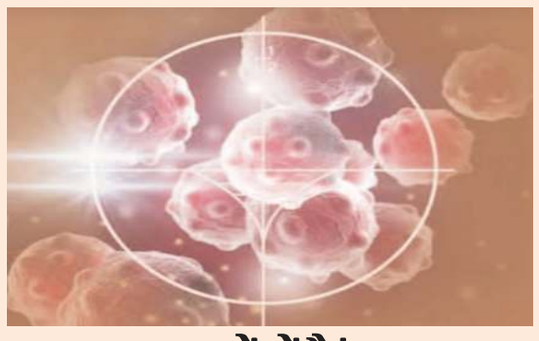

युवाओं में कैंसर

निश्चित रूप से यह बेहद चिंता बढ़ाने वाला निष्कर्ष है कि भारत में कैंसर तेजी से युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। जो हमारी जीवनशैली व खानपान की आदतों में आए बदलावों का भी सूचक है। दरअसल, कैंसर विशेषज्ञों के समूह द्वारा कैंसर मुक्त भारत फाउंडेशन के तहत एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि कैंसर तेजी से युवाओं को प्रभावित कर रहा है। अध्ययन बताता है कि, देश में बीस फीसदी मामले चालीस वर्ष से कम आयु के पुरुषों व महिलाओं में पाए गए हैं। जिसमें साठ फीसदी मरीज पुरुष हैं। कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सिर व गर्दन के कैंसर के हैं, जो करीब छब्बीस प्रतिशत बताए गए हैं। इसके बाद ये आंकड़े बताते हैं कि सोलह फीसदी मामले गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के, पंद्रह फीसदी स्तन कैंसर तथा रक्त कैंसर के मामले नौ फीसदी हैं। कैंसर विशेषज्ञों का मानना है कि युवा पीढ़ी में बढ़ते कैंसर के खतरे की वजह तंबाकू व शराब का सेवन है। वहीं दूसरी ओर मोटापा भी एक बड़ा कारक है। जिसके मूल में युवाओं का निष्क्रिय जीवन भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि कैंसर के मामले बढ़ने की एक वजह प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन भी है। दुर्भाग्य से चिंता की सबसे बड़ी बात यह है कि दो तिहाई मामलों में कैंसर का पता तब चलता है जब तक उपचार में देर हो चुकी होती है। दरअसल, देश में कैंसर की समय रहते जांच कराने के प्रति उदासीनता के चलते भी इस जानलेवा रोग का देर से पता चलता है। ऐसे में सरकार और सामुदायिक स्तर पर कैंसर को लेकर देशव्यापी अभियान चलाने की जरूरत है। कम से कम लोगों को इस बात के लिये मानसिक रूप से तैयार किया जाए कि प्राथमिक संकेत मिलने पर समय रहते जांच तो करा ही लेनी चाहिए। स्वयं सेवी संगठन ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सचेत कर सकते हैं। यही वजह है कि एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा समूह द्वारा हाल ही में जारी अपनी एक रिपोर्ट में भारत को 'दुनिया की कैंसर राजधानी' के रूप में वर्णित किया है। इसकी वजह हर साल कैंसर के लाखों मामले दर्ज किया जाना भी है। दरअसल, भारत में हर साल कैंसर के दस लाख नये मामले दर्ज किये जाते हैं। आशंका जतायी जा रही है कि यह वृद्धि वर्ष 2025 तक वैश्विक औसत को पार कर जाएगी। दरअसल, युवाओं के मामलों को संभालने के लिये एक विशिष्ट केंद्रित दृष्टिकोण की जरूरत होती है। यह देश के कामकाजी वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है। जिसके लिये उन्हें जीवनशैली में बदलाव के लिये प्रेरित किया जा सकता है। साथ ही प्रारंभिक अवस्था में कैंसर का पता लगाने वाली प्रभावी स्क्रीनिंग रणनीति को प्रोत्साहित करके संकट को दूर किया जा सकता है। सही मायनों में भारत को इस छद्म महामारी से मुकाबले के लिये अच्छी तरह से तैयार रहना होगा। यह खतरा बड़ा है और इसमें कैंसर की प्रभावी देखभाल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। समय की जरूरत है कि कैंसर विषयक अनुसंधान को विशिष्ट महत्व दिया जाए। विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष कैंसर के प्रमुख कारकों पर प्रकाश डालते हैं। मसलन शरीर में टैटू गुदवाने वाले लोगों में रक्त कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है। इस तथ्य को युवाओं तक पहुंचाने की आवश्यकता है। कैंसर के खिलाफ जागरूकता के लिये ऐसे कदम उठाने जरूरी हैं। एक बहुआयामी रणनीति ही भारत को सभी बीमारियों से मजबूती से लड़ने में मदद कर सकती है। दरअसल, कैंसर के संकट के मुकाबले के लिये हमारे खानपान में सुधार, सक्रिय जीवनशैली तथा तनावमुक्त जीवन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस संकट में भारत के परंपरागत उपचार के तौर-तरीकों को भी तरजीह दी जानी चाहिए। साथ ही योग व प्राणायाम तथा प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भी खासी कारगर साबित हो सकती है। कैंसर रोगियों का मनोबल ऊंचा रखा जाना भी एक उपचार का काम करता है।

एक हार के सौ बहानों वाला कारोबार

आलोक पुराणिक

चुनाव में कई कारोबार चल निकलते हैं। टैंट वाले का, लाउडस्पीकर वाले का, दरी वाले का, माइक वाले का, अब उन लोगों का कारोबार चमकेगा, जो हारने वालों को कंसल्टेंसी देंगे। हारने के बाद कैंडिडेट तरह-तरह की कंसल्टेंसी खोजता है। यह अलग बात है कि हारने वाले को कंसल्टेंसी देना जोखिम का काम है। जो कैंडिडेट हार जाता है, उसे कई तरह के बंदे खोजते हैं, भुगतान वसूलने के लिए। तो पहली कंसल्टेंसी चुनावी कंसल्टेंसी देने वालों के लिए यह है कि सावधानी से कंसल्टेंसी दीजिये। डूबे हुए कैंडिडेट के साथ रकम भी डूबने का खतरा है। हारने के बाद ये बहाने दिये जा सकते हैं:-

गर्मी बहुत थी चुनाव के दिन। चुनाव अगर ठंड में हों तो तर्क यह दिया जा सकता है कि ठंड बहुत थी। इसमें सीधा-सीधा जिम्मा मौसम पर है।

एक बहाना यह भी दिया जा सकता है कि नैतिक जीत मेरी हुई है। नैतिक

जीत इन दिनों फैशनेबल हो गयी है। हालांकि नैतिक तौर पर जीते हुए को सब बेवकूफही मानते हैं, क्योंकि नैतिकता के लिए कोई चुनाव न लड़ता। चुनाव सब जीतने के लिए ही लड़ते हैं। हार हाथ आ जाती है, तो कहते हैं कि नैतिक जीत हो गयी है। नैतिक जीत हार की पैकिंग में आती है। नैतिक जीत मिल जाती है। नैतिक जीत का मतलब होता है कि धक्का खाकर गिरें, तो बतायें कि यह तो हमारी स्टाइल है। एक और बहाना दूईवीएम, जो जीत जाता है, वह जीतकर घर जाता है, जो हार जाता है, वह ईवीएम की जान को रोता है। ईवीएम की आफ्त है कि कोई न कोई तो उसे कोसता ही है। ईवीएम का हाल घर की उस प्रताड़ित बहू की तरह का है, जो चाय जल्दी बनाकर सास को दे दे, सास कोसती है-इतनी सुबह चाय बनाकर दे दी, बहू चाहती ही नहीं कि मैं ढंग से नींद ले सकूं। नींद पूरी न होगी, तो हार्ट अटैक आ सकता है। ये बहू मुझे मार के ही मानेगी। बहू चाय थोड़ी देर से बनाकर दे, तो फिर सास कोसे-बताओ दोपहर होने को आयी, अब तो खाने का वक्त हो गया और यह बहूरानी चाय पिला रही है। ईवीएम और प्रताड़ित बहू में एक फर्क यह है कि प्रताड़ित बहू का वक्त बदलता भी है। बहू बदले हुए वक्त में इतनी पावरफुल हो जाती है कि फिर वह सास को प्रताड़ित करने की ताकत में आ जाती है। एक और बहाना यह भी दिया जा सकता है कि पार्टी तो जीत ही गयी थी, बस कैंडिडेट खराब आ गया। हारने के बाद वैसे कैंडिडेट को यह करना चाहिए कि बहाने देने के लिए भी रुकना नहीं चाहिए, उसे निकल लेना चाहिए कहीं भी। हारा हुआ नेता और बुझा हुआ दीपक-किसी काम के नहीं होते।

लोकतंत्र के महापर्व पर पश्चिम की उदासीनता

-पुष्परंजन

कुल 195 देश हैं दुनियाभर में। इनमें से दो देश मान्यता का इंतज़ार कर रहे हैं: होली सी, और फ्लिस्तीन। केवल 23 देशों के पर्यवेक्षकों का दुनिया से सबसे बड़े लोकतंत्र का चुनाव देखने आना सचमुच चिंता का विषय है। भारतीय निर्वाचन आयोग के अधिकारी बताते हैं, 'जर्मनी, अमेरिका तक ने आने से मना कर दिया।' तो आये कौन-कौन से देश? भूटान, मंगोलिया, मेडागास्कर, ऑस्ट्रेलिया, फिजी, क्रिगिज़ रिपब्लिक, रूस, माल्दोवा, ट्यूनीशिया, सिसली, कम्बोडिया, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका, ज़िम्बाब्वे, बांग्लादेश, कज़ाकस्तान, जॉर्जिया, चिली, उज़्बेकिस्तान, मालदीव, पापुआ न्यूगिनी और नामीबिया। कुल जमा 23 देशों के 75 विज़िटर्स।

चुनाव आयोग के ज्वाइंट डायरेक्टर अनुज चंडक ने यह जानकारी साझा करते हुए बाद में जोड़ा था कि 'मेंबर्स ऑफ़इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर एलेक्ट्रोरल सिस्टम' के प्रतिनिधि और शायद इस्राइल और भूटान की मीडिया टीमें भी आएं। कुल 23 देशों के 75 प्रतिनिधियों को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित कर महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और गुजरात भेजा गया है। 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेश वाले इस विराट देश में केवल छह राज्यों में विदेशी पर्यवेक्षक चुनाव का मुआयना करते हैं, तो सवाल करना बनता है।

पिछले महीने ही अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट कर दिया था कि हमारा देश भारत में कोई चुनाव पर्यवेक्षक नहीं भेज रहा है, लेकिन सत्ता में भागीदारों के साथ अपने सहयोग को गहरा और मजबूत करने के लिए उत्सुक है। जर्मनी ने भी अमेरिकी शैली में ही अपनी दूरी बना ली। भारत में जर्मन राजदूत फिलिप एकरमन्न ने 16 अप्रैल को बयान दिया था कि जर्मनी आने वाले दिनों में भारत में शुरू होने वाले दुनिया के सबसे बड़े चुनावों को 'प्रशंसनीय दृष्टि के साथ' देख रहा है। जर्मन दूत ने कहा कि जब देश अपनी अगली सरकार के लिए मतदान करेगा तो दुनियाभर में भारत की छवि अधिक देखी जाएगी। यह लोकतंत्र का उत्सव है, हम इसे यूरोपीय नुक्ते-नज़र से ही देखेंगे। अर्थात??, 'जैसा मतदान-वैसा अनुमान' वाली कूटनीति को आगे बढ़ाना जर्मनी ने पसंद किया। लेकिन, जर्मनी की राह पर शायद फ्रांस न चले। दिलचस्प है कि भारतीय चुनाव का अवलोकन करने के वास्ते न तो 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ का कोई प्रतिनिधि आया, न ही 57 सदस्यीय आर्गेनाइजेशन ऑफ़द इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) ने किसी को भेजना उचित समझा। जी-20 से भी किसी पर्यवेक्षक की मौजूदगी भारत में हो रहे आम चुनाव में नहीं दिखी। भारत के अंदरूनी मामलों में गहरी नज़र और दिलचस्पी सारे विकसित व विकासशील देशों की है। नहीं होती, तो संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ऐसा नहीं कहते, 'हमें बहुत उम्मीद है कि भारतीय मतदान प्रक्रिया में सभी के राजनीतिक और नागरिक अधिकार सुरक्षित रहेंगे। इस देश में हर कोई स्वतंत्र और निष्पक्ष माहौल में मतदान करने में सक्षम है।' स्टीफन दुजारिक केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों

को जब्त करने के मद्देनजर भारत में 'राजनीतिक अशांति' पर एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कह रहे थे। अपने प्रवक्ता से इतनी टिप्पणी करवाने के बावजूद संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने किसी प्रतिनिधि को भारतीय चुनाव देखने के वास्ते क्यों नहीं भेजा? यह जानना ज़रूरी तो है। अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जिस तरह प्रतिक्रिया अमेरिका और जर्मनी ने दी थी, उससे एक बारी तो लगा था कि कूटनीतिक सम्बन्ध पटरी से उतर जायेंगे। दोनों देशों के दूतों को बुलाकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ा प्रतिरोध व्यक्त किया था। बावजूद इसके, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था, 'हम दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफकार्रवाई पर बारीकी से नज़र रखना जारी रखेंगे। हम कांग्रेस पार्टी के आरोपों से भी अवगत हैं कि टैक्स अफ़सरों ने उनके कुछ बैंक खातों को इस तरह से फ्रीज कर दिया है कि उनके लिए चुनावों में प्रभावी ढंग से प्रचार करना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। और हम इनमें से प्रत्येक मुद्दे के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और समय पर कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हैं।'

अब सवाल यह है कि परिणाम के बाद क्या दुनिया के तमाम विकसित देश इसे मानने को तैयार होंगे कि भारत में चुनाव निष्पक्ष और बिना किसी भेदभाव के संपन्न हुआ है? ठीक से देखा जाये तो जिन 23 देशों के प्रतिनिधि भारत आये, उनमें रूस और सेंट्रल एशिया के देश वही बोलेंगे जो मास्को का दृष्टिकोण होगा। मालदीव के पर्यवेक्षक क्या बोलते हैं, वह मुस्लिम देशों के लिए महत्वपूर्ण होगा। मालदीव इस समय 'अनगाइडेड मिसाइल' है।

लेकिन इस पूरी कहानी में बीजेपी कार्यालय से पर्यवेक्षक के वास्ते न्योता भेजा जाना रोचक है। दरअसल, यह काम तो चुनाव आयोग का था। बीजेपी ने 25 से अधिक देशों की पॉलिटिकल पार्टियों को निमंत्रण भेजा था। लेकिन अमेरिका से न तो डेमोक्रेट, और न ही रिपब्लिकंस ने इस न्योते को स्वीकार किया। भाजपा के सूत्रों ने बताया कि 25 देशों की 13 पार्टियों ने कन्फर्म किया था कि हम भारत दौरे पर आ रहे हैं। तो क्या ऐसी ही छूट कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के सहयोगियों को भारत सरकार ने दी थी?

बात जब विदेशी निगाहों की हो, तो पाकिस्तान भी ज़ेरे बहस में आ ही जाता है। सबको पता है कि पीएम मोदी और सत्तापक्ष के दूसरे नेता किस वोट बैंक को पोलराइज करने के वास्ते पाकिस्तान को विपक्ष से चिपकाते हैं। पाकिस्तान में एक शख्स हैं फ्वाद चौधरी। सूचना प्रसारण मंत्री थे, विवाद के घेरे में रहे। विगत दो दिनों से दोनों देशों में जमकर ट्रोल हो रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने 25 मई को परिवार संग वोट किया। फ्वाद ने उसकी तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की। फ्वाद का खेल समझ चुके केजरीवाल ने कहा, 'चौधरी साहिब, मैं और मेरे देश के लोग अपने मसलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। आपके ट्वीट की जरूरत नहीं है। इस वक्त पाकिस्तान के हालात बहुत खराब हैं। आप अपने देश को संभालिये।' लेकिन पीएम मोदी ने मणिशंकर अय्यर की टिप्पणियों से लेकर फ्वाद के ट्वीट तक से जैसा खेला, उसे बीजेपी नेतृत्व की मारक क्षमता ही मानिये। यह चुनाव नहीं, रण है। प्रतिपक्ष के नेता यदि व्यूह रचना का अवसर सत्तापक्ष को जाने-अनजाने देते हैं, तो यह उनकी कमज़ोरी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून में कामरान युसूफ़लिखते हैं, 'ये सब देखकर लगता है कि नेता किस तरह से भारत या पाकिस्तान में लोगों को बेवकूफबनाते हैं। फ़्वाद चौधरी के ट्वीट्स को पाकिस्तान में कोई पूछता भी नहीं।'

चुनावी कोलाहल के बीच नए कश्मीर की आस

अमिताभ मट्टू

जम्मू और कश्मीर में चुनाव एक लोकतांत्रिक अनुष्ठान से कहीं अधिक है। प्रचलित कल्पना में, यहां का परिदृश्य तगड़ा प्रतीक रहा हैदृविश्वास और विश्वासघात का, विरोध और स्वीकार्यता, आशा और मोहभंग, भरोसा और अनिश्चितता का। लेकिन कश्मीर ने शायद ही कभी प्रतिस्पर्धात्मक लोकतांत्रिक प्रक्रिया का इतना प्रबल उत्सव देखा होगा जितना मौजूदा आम चुनाव में हो गुजरा। समूची नयनाभिराम घाटी में बड़ी-बड़ी चुनावी रैलियां और रोड शो हुए, जिनमें कश्मीर के अनेकानेक निर्भीक, भावुक, रंगीले और 'घड़ी में तोला घड़ी में माशा' मिज़ाज रखने वाले नेतागण इस चुनावी संग्राम में शामिल होकर उस व्यवस्था का निर्माण करने में जुट गए, जो वर्तमान में केंद्रशासित प्रदेश और पूर्व में पूर्ण राज्य रहे इस खित्ते के इतिहास में नया मोड़ लाने वाली हो सकती है।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद इस पहले संसदीय चुनाव में प्रचार का मुख्य मुद्दा 'विशेष प्रावधान' खत्म होना और सूबे का दर्जा पूर्ण राज्य से घटकर केंद्रशासित प्रदेश रह जाना था। लेकिन इसे संयोग कहें या कुछ और, चुनाव निष्पक्षता के मामले में (अपेक्षाकृत भयमुक्त माहौल में) कश्मीर में शेष भारत में सबसे बेहतरीन नमूना रहा। यदि सच में नया कश्मीर चाहिए और इस माहौल को आगे बढ़ाना और बनाए रखना है तो सही वक्त यही है और इसके लिए विधानसभा चुनाव भी इसी तत्परता से करवाए जाएं।

जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की जड़ें विरल रही हैं। वर्ष 1950 और 60 के दशक में, जम्मू में करवाए गए छद्म चुनावों को 1947 में दिए गए भरोसे के 'विश्वासघात' की तरह देखा जाता था। वर्ष 1977 के चुनाव में, जो कि आजादी के बाद से, इस भूतपूर्व सूबे का सबसे साफ-सुथरा चुनाव था, विश्वास एवं स्वीकार्यता का प्रतीक बना। वर्ष 1987 में हुआ चुनाव न तो मुक्त था, न ही निष्पक्ष, इसने दशकों तक चलने वाले आतंकवाद की नींव डाली। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वर्ष 2002 में फिर से काफी हद तक भरोसा बना जब केंद्र में प्रधानमंत्री वाजपेयी की सरकार थी और जनता अपने मतपत्र के जरिए सूबे के तत्कालीन सत्ताधारियों को हटा पाई। लेकिन वह दिन सच में लद चुके हैं, जब 1950 के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू के बार-बार कहने पर, तत्कालीन 'वज़ीर-ए-आज़म' बख्शी गुलाम मोहम्मद कुछ सीटें अपने विरोधियों के लिए छोड़ने पर राज़ी हुए थे, ताकि और कुछ नहीं तो जनता की नजरों में चुनावों की विश्वसनीयता बनी रहे।

आज, जम्मू-कश्मीर के अधिकांश मतदाता मानते हैं

कि चुनाव निष्पक्ष और मुक्त रहे और यह मौजूदा परिस्थिति में अंतर ला सकता है। हालांकि, वे इस भ्रम में भी नहीं हैं कि यह चुनाव उनके बृहद राजनीतिक मुद्दों का हल है, लेकिन उन्हें भान है कि कश्मीर के मुद्दों को सुलझाने के प्रयासों को गैर-निर्वाचित और नकारा प्रशासनिक व्यवस्था का बंधक न बनने दिया जाए। यह मतदाता वह है जिसे विश्वस्तरीय प्रशासन, आधारभूत ढांचा, शिक्षा एवं रोजगार में नए अवसरों के अलावा वर्तमान में लागू कठोर कानूनों के शिकंजे में रहने की मजबूरी से हटकर रोजाना की जिंदगी में इज्जत से विचरने की चाहत है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि अपनी भूमि में अलगाववाद की भावना न पनपे।

राजनीतिक इतिहास पर नज़र डालें तो अगस्त 1953 में शेख अब्दुल्ला जो कि उस वक्त सूबे के सबसे कद्दावर नेता थे, एक दिन जब गुलमर्ग में छुट्टियां मना रहे थे तो पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण दास ठाकुर ने सूचित किया उनको यानी जम्मू-कश्मीर के 'प्रधानमंत्री' (उस वक्त यही पदनाम था) पद से पदच्युत कर दिया गया है और नज़रबंद करने के हुक्म हैं। पलटकर उन्होंने गरजते हुए कहा यह आदेश किसने दिया है? उस वक्त तक शेख अब्दुल्ला को यकीन था कि तीन मूर्ति भवन में रहने वाले उनके मित्र नेहरू उन्हें कभी धोखा नहीं देंगे।

अधीक्षक ठाकुर ने 'सदर-ए-रियासत' कर्ण सिंह के हस्ताक्षर वाला फ़रमान दिखाया, जो उस वक्त अपने पिता महाराजा हरि सिंह को मुम्बई में जलावतनी दिए जाने के बाद रियासत के किशोरवय 'राजा' थे। शेख अब्दुल्ला ने ही कर्ण सिंह को सूबे का मुखिया नियुक्त किया था और आज खुद उनके बनाए इस 'छोकरे' ने ही एक चिंदी भेजकर उनकी छुट्टी अलोकतांत्रिक ढंग से कर डाली! यह आदेश स्वीकार करने से पहले शेख ने नमाज़ अदा की। शेख अब्दुल्ला, जो कि सूबे से सबसे लोकप्रिय नेता थे, अगले 22 साल सत्ता से बाहर रहे, जब तक कि उन्होंने 1975 में इंदिरा गांधी के साथ संधि को स्वीकार किया। इसमें कोई शक नहीं जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनुमति न देने की बीमारी से खुद शेख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी भी अछूती नहीं थी क्योंकि उन्होंने भी सूबे में किसी विपक्ष को पनपने का मौका शायद ही छोड़ा था। रणजीत सिंह पुरा में भड़काऊ भाषण, अमेरिकी राजनयिकों को डोरे डालना और जनसंघ के सबसे कद्दावर नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रीनगर में अपनी निगरानी में मरने देना जैसे काम उन्होंने किए। उनके बाद आए बख्शी, जिन्हें दिल्ली का वरदहस्त प्राप्त था। शेख अब्दुल्ला के काल के बाद, उनके पुत्र और राजनीतिक जानशीन फ़ारूक अब्दुल्ला को भले ही दिल्ली का आशीर्वाद प्राप्त था, लेकिन भारतीय लोकतंत्र में उनका यकीन ही कम था। वर्ष 1984 में अब्दुल गनी लोन (पीपुल्स कॉन्फ्रेंस नेता सज्जाद लोन के पिता) ने एक दिन सुबह को डॉ. अब्दुल्ला को गहरी नींद से जगाकर बताया कि उनके वफ़ादार विधायकों का एक बड़ा धड़ा टूट चुका है और इस वक्त राजभवन में राज्यपाल जगमोहन के समक्ष हैं। फ़ारूक सरकार भंग कर दी गई। पूर्व राज्यपाल बीके नेहरू ने रहस्योद्घाटन किया था कि यह तोड़फोड़ इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के बंदों के माध्यम से दिए भारी पैसे के बाद पैदा की गई थी। इस अभियान में एक जाना-माना कांग्रेसी नेता उर्फ व्यापारी भी शामिल था, जिसने विद्रोह करने वाले विधायकों तक धन पहुंचाया था। वर्ष 1987 का चुनाव नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने साथ मिलकर लड़ा, जिसमें बड़े पैमाने पर धांधली हुई।

आज, दिल्ली की केंद्र सरकार के पास वास्तव में मौका है कि इतिहास को एक तरफरखकर, नए भविष्य का सृजन करे। सबसे अहम, विधानसभा चुनाव जल्द करवाकर लोकतांत्रिक प्रशासन व्यवस्था की बहाली तुरंत करवाई जाए। पिछले मर्तबा चुनाव कोई एक दशक पहले हुए थे, और पिछले पांच सालों से जम्मू-कश्मीर में चुनी हुई सरकार नहीं है। हालांकि, स्थानीय निकायों के चुनाव जरूर करवाए गए हैं लेकिन ये प्रतिनिधि बाकायदा चुनी हुई विधानसभा का विकल्प नहीं हो सकते। जितना जल्द हो सके जम्मू-कश्मीर का पूर्ण-राज्य दर्जा बहाल किया जाए। गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले साल दिसम्बर में यह भरोसा दिया था कि यह काम सही समय आने पर किया जाएगा। अब वह सही वक्त यही है, ताकि अनुच्छेद 370 पर हारी लड़ाई से पैदा हुआ आक्रोश, राज्य दर्जा पुनः प्राप्ति के अहसास से ठंडा पड़ सके। अंत में, यह समय है लीक को 'विशेष होने' से 'समान होने' की और मोड़ने का। इस केंद्रशासित प्रदेश के अधिकांश बाशिंदे और नेता भी यह मानेंगे कि बतौर भारतीय गणतंत्र राजनीतिक परिदृश्य का 'समान सदस्य' होकर आज़ादी और अधिकार का जो आनंद है, वह विशेष राज्य के दर्जे वाले वक्त से कहीं अधिक है। आखिरकार, तमिलनाडु या पश्चिम बंगाल या ओडिशा अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, राजनीतिक परिधि कायम रखते हुए आर्थिक रूप से उतनी खुशहाली बना पाए हैं, जितनी भारतीय गणराज्य में विशेष राज्य का दर्जा पाकर जम्मू-कश्मीर नहीं बना पाया।

हिन्दी पत्रकारिता के 198 वर्ष

योगेश कुमार गोयल

भारत-चीन लड़ाई का उल्लेख करें अथवा भारत-पाक युद्ध का या फिर कोरोना से जंग के कठिन दौर का, प्रेस ने प्रत्येक ऐसे विकट अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत नहीं होगा कि इसमें हिन्दी पत्रकारिता का स्थान सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ उनका विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 198 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस

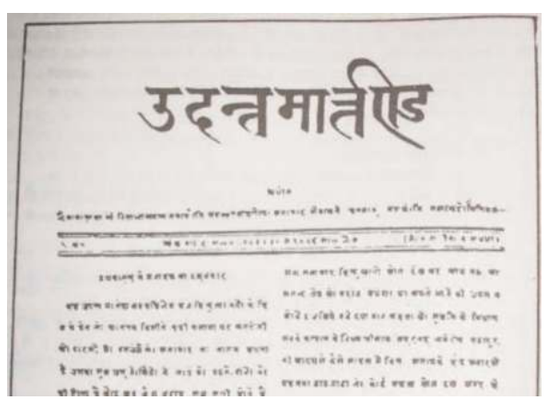

उदन्तमार्तण्ड

समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की बात हो या, व्यवसायीकरण के आरोपों या घर बैठे दुनिया की सैर कराने की, तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है, वहीं पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृत्ति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि हिन्दी पत्रकारिता ने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है।

सरकारी अस्पताल में अव्यवस्था चरम पर, मरीज खुद के घर से ला रहे पंखा

माही की गूंज, शाजापुर।

मध्यप्रदेश में इन दिनों गर्मी अपने शबाब पर है। प्रदेश के कई जिले 45 डिग्री से अधिक तापमान को छू रहे हैं। ऐसे में हर कोई अपने आपको गर्मी और लू के प्रकोप से बचाने की जुगाड़ में लगा हुआ है। लेकिन शाजापुर का जिला अस्पताल अपनी अव्यवस्था के कारण फिर से चर्चा में है। क्योंकि यहां मरीज और उनके परिजन स्वयं पंखा लेकर अस्पताल में पहुंच रहे हैं। बता दें, शाजापुर जिला चिकित्सालय डॉक्टर भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल को बने हुए लगभग पांच वर्ष से अधिक हो चुके हैं और आए दिन जिला चिकित्सालय चर्चाओं का विषय बना ही रहता है। वहीं, फिर से जिला चिकित्सालय में पदाधिकारियों की मनमानी सामने आई है। एक ओर गर्मी अपना कहर बरसाती भी दिखाई दे रही है तो वहीं दूसरी ओर शाजापुर के सरकारी अस्पताल में मरीजों का हाल गर्मी से बेहाल दिखाई दे रहा है। प्रत्येक वार्ड में पंखे तो लगे हुए हैं, लेकिन वह ऐसी गर्मी में कहां दम टेक पा रहे हैं और गर्मी से बचने के लिए लोग अपने-अपने घरों से टेबल फैन लाकर गर्मी से अपना बचाव कर रहे हैं। गौरतलब है कि, शाजापुर जिला कलेक्टर रिजु बाफना भी समय-समय पर जिला चिकित्सालय का निरीक्षण करती रही हैं। लेकिन उनके निरीक्षण करने के बावजूद भी जिला चिकित्सालय की व्यवस्था में कोई नहीं सुधार नहीं हो पा रहा है। वहीं, अस्पताल के प्रत्येक डॉक्टर के कक्ष की बात करें तो उनमें एसी लगी हुई है। वहीं, मरीज के परिजन गिरिराज मालवीय ने बताया कि, वह विगत तीन दिन पहले सलसलाई से अपने मरीज को लेकर जिला अस्पताल आए थे। अस्पताल में गर्मी बहुत है। लेकिन पंखे की कोई व्यवस्था नहीं होने से मरीज एवं परिजन परेशान हो रहे हैं। मरीज की परेशानी को देखते हुए हम घर से पंखे जिला अस्पताल में लेकर आए हैं, तब जाकर हमारे मरीज को गर्मी से राहत मिली है।

वहीं, दूसरे मरीज के परिजन सुरेश सौराष्ट्रीय ने बताया कि, वहां जिला अस्पताल में भर्ती मरीज से मिले थे। मरीज का कहना है कि जिला अस्पताल में गर्मी से राहत के लिए कोई व्यवस्था नहीं होने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, शाजापुर जिले में दर्ज तापमान की बात करें तो लगभग 45 डिग्री के आसपास है।

प्रतिबंध के बाद भी खुले में बिक रहा मांस, 8 दुकानदारों पर हुई कार्रवाई

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में प्रशासन द्वारा खुले में मांस की बिक्री कर रहे दुकानों पर चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान दुकानदारों से जुर्माना वसूला गया। दरअसल, मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा प्रदेश की कानून व्यवस्थाओं को लेकर बैठक की गई थी। इस दौरान उन्होंने खुले में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के आदेश दिए थे। इसी आदेश का पालन करते हुए जिला प्रशासन द्वारा उल्लंघन करने वाले दुकानदारों का चालान काटा गया।

4 हजार रूपए की हुई वसूली

नगरपालिका, नायाब तहसीलदार और पुलिस प्रशासन द्वारा सोमवार को खुले में बिक रहे मांस को लेकर कड़ी कार्रवाई की। आपको बता दें नगरपालिका प्रशासन की टीम जिले के कसाईवाड़ा और बीजेपी कार्यालय के सामने बिक रहे मांस की दुकानों पर पुलिस बल के साथ पहुँच, जहाँ प्रशासन ने चार दुकानों पर चालानी कार्रवाई की। इस दौरान हर दुकान से 1-1 हजार रूपए कुल मिलाकर 4 हजार रूपए की जुर्माने की वसूली की गई।

आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

वहीं, शाजापुर एसडीओपी ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगा दिया था। इस दौरान चार दुकानदारों आदेश का उल्लंघन करने पर चालानी कार्रवाई की गई। इसके अलावा उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई आगे भी की जाती रहेगी।

विधायक ने मांगा 6 सप्ताह का समय, 161 वोट निरस्त के बाद 28 वोटों से हुई थी जीत

माही की गूंज, शाजापुर।

वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में मात्र 28 मतों से जीत दर्ज करने वाले शाजापुर विधायक अरूण भीमावत के खिलाफहाई कोर्ट में चल रही चुनाव याचिका में सोमवार को सुनवाई हुई।

पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने भीमावत को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा था। सोमवार को उनकी ओर से वकील उपस्थित हुए और कोर्ट से जवाब के लिए छह सप्ताह का समय मांगा। कोर्ट ने इसकी अनुमति देते हुए सुनवाई आगे बढ़ा दी। अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी।

भीमावत के खिलाफयह याचिका उनके सामने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले हुकमसिंह कराड़ा ने एडवोकेट अभिनव धनोतकर के माध्यम से दायर की है। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में कराडा भीमावत से सिर्फ 28 मतों से चुनाव हार गए थे। चुनाव याचिका में उन्होंने कहा है कि मतगणना के दौरान 161 मत बगैर किसी आधार के निरस्त कर दिए गए थे। इन्हें निरस्त करने में अनियमितता की गई है। अगर यह अनियमितता नहीं की जाती तो कराड़ा चुनाव जीत जाते।

अभ्यारण्य से निकले तेंदुए ने युवक पर किया हमला

माही की गूंज, भानपुरा।

गांधीसागर अभयारण्य में जंगल से सड़क के आस-पास आ गए तेंदुए ने एक युवक पर हमला कर दिया। युवक के दोनों कंधे पर तेंदुए के नाखून व दांतों से चोट लगी है, लेकिन वह गंभीर नहीं है।

युवक का प्राथमिक उपचार गांधीसागर व भानपुरा में किया गया। सोमवार को उसे मंदसौर जिला अस्पताल भेजा गया हैं। एचआरजी इंजेक्शन जिला मुख्यालय पर ही लगता हैं। सोमवार को भी वन विभाग ने अभयारण्य क्षेत्र में सड़क पर दुपहिया वाहन चालकों का आवागमन बंद ही रखा। गांधीसागर अभयारण्य क्षेत्र में रावली कुड़ी व गांधीसागर भारत माता वाले बैरियर के बीच वाले क्षेत्र में मुख्य सड़क किनारे रविवार को तेंदुआ दिखने के बाद इस मार्ग पर दुपहिया वाहनों का आवागमन बंद कराया गया था। इसके बाद भी लोग नहीं मान रहे थे।

वन विभाग के अमले की मौजूदगी में दो बाइक पर सवार तीन पुरुष व एक महिला को भी वन अमले ने रोका। इसी दौरान शिवराज पिता निहालचंद भील निवासी प्रेमपुरिया ने थोड़ी आगे जाकर बाइक खड़ी की। तभी वन क्षेत्र की तरफसे तेंदुआ आया और शिवराज पर हमला कर दिया। इससे वह घायल हो गया।

घायल का प्राथमिक उपचार गांधीसागर सेक्टर 8 पर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ. अंजलि शर्मा ने किया। और एक इंजेक्शन लगाने के लिए मंदसौर रेफर किया गया। घायल युवक प्राथमिक उपचार के बाद मंदसौर नहीं पहुंचा। इसके बाद सोमवार सुबह गांधीसागर अभयारण्य क्षेत्र के वन परिक्षेत्र अधिकारी अंकित सोनी वनकर्मियों के साथ ग्राम प्रेमपुरिया

में घायल शिवराज के घर पहुंचे। शिवराज एवं स्वजनों को लेकर शासकीय चिकित्सालय भानपुरा गए। यहां डॉ. अभिषेक नाडिया ने चेकअप कर प्राथमिक उपचार के बाद इंजेक्शन लगवाने के लिए मंदसौर रेफर कर दिया।

गांधीसागर अभयारण्य वन परिक्षेत्र अधिकारी अंकित सोनी ने बताया कि अभयारण्य में सड़क किनारे एक तेंदुआ आ गया था। पूरे अभयारण्य क्षेत्र में करीब 100 तेंदुए हैं। इस दौरान दो मोटरसाइकिल से प्रेमपुरिया निवासी शिवराज आदि निकल रहे थे। इनको रोका गया। इसी दौरान तेंदुए के हमले से शिवराज घायल हो गया। भीषण गर्मी से तेंदुआ भी घबराया हुआ था। आस-पास ग्रामीण क्षेत्र होने से ग्रामीणों ने तेंदुए को देखकर हो हल्ला कर दिया। ऐसे में घबराहट में तेंदुए ने युवक पर हमला कर दिया। उचित उपचार के लिए घायल शिवराज को शासकीय चिकित्सालय भानपुरा लाए हैं।

एक डॉक्टर बोले तेंदुए के दात से गहरा घाव, दूसरे बोले नाखून से लगा

भानपुरा के मेडिकल आफिसर डॉ. अभिषेक नाडिया ने बताया कि, घायल के दोनों कंधों पर तेंदुए के नाखून की वजह से खरोच व हल्के घाव हैं। प्राथमिक उपचार के बाद एक इंजेक्शन एचआरजी लगाने के लिए मंदसौर रेफर किया है। घायल युवक की स्थिति सामान्य है। दाएं कंधे पर खरोंच के निशान हैं। बाएं शोल्डर पर घाव थोड़े से गहरे हैं। इसलिए इंजेक्शन की जरूरत है।

प्राथमिक उपचार करने वाली डॉ. अंजलि शर्मा गांधीसागर ने बताया कि, तेंदुए के हमले से घायल युवक का प्राथमिक उपचार किया गया था। एक इंजेक्शन जो 70 घंटे में लगना चाहिए वह मंदसौर में ही उपलब्ध है। इसलिए मंदसौर रेफर किया था। दाए कंधे पर तेंदुए के नाखून के निशान एवं बाये कंधे पर दांत के निशान है।

घायल शिवराज भील ने बताया कि, स्वजनों के साथ बाइक से ग्राम चंद्रपुरा जा रहे थे। गांधीसागर अभयारण्य में सड़क पर वन विभाग की गाड़ी खड़ी थी एवं कुछ लोग भी खड़े थे। वन विभाग के अधिकारियों ने हमें रुकने का इशारा किया। अचानक चीता प्रोजेक्ट के लिए बनाए जा रहे बाड़े की जाली के पास से तेंदुआ दौड़कर आया एवं मोटरसाइकिल खड़ी करते ही हमला कर दिया। मैंने दोनों हाथों से चेहरा व गर्दन बचाई। बड़ी मुश्किल से मैं बचा। अभयारण्य क्षेत्र में रोड के पास ही चीतों के बाड़े होने से आए दिन वन्य जीवों के हमले लोगों पर होते रहेंगे।

भीषण गर्मी में ट्रांसफार्मर का भी पारा गर्म

माही की गूंज, मंदसौर।

गर्मी इन दिनों पूरे चरम पर है। इसके कारण सिर्फ आम आदमी, पशु पक्षी नहीं बल्कि बिजली के उपकरण भी बेहाल हैं। भीषण गर्मी के चलते हुए विद्युत विभाग के उपकरण भी अधिकतम भार लोड के कारण काफी गर्म हो रहे हैं। जहां दिन का तापमान 45 डिग्री के आसपास चल रहा है लेकिन लोड और गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर का तापमान 80 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। ऐसे में इनको ठंडा रखने के लिए विद्युत विभाग पंखे और कूलर लगाकर इनको ठंडा कर रहा है और इनका टेंप्रेचर मेंटेन कर रहा है। मंदसौर के चंबल कॉलोनी स्थित विद्युत ग्रिड और बीपीएल चौराहा स्थित विद्युत ग्रिड पर ट्रांसफार्मर का टेंप्रेचर 80 डिग्री सेल्सियस हो गया है। इनको मेंटेन करने के लिए विद्युत वितरण कंपनी लोगों को सही और बिना रुके विद्युत प्रदाय हो इसलिए ट्रांसफार्मर को कूलर और पंखे के जरिए टेंप्रेचर मेंटेन कर रहे हैं।

पंखे और कूलर लगाकर विद्युत

ग्रिड का टेंप्रेचर मेंटेन कर रहे

विद्युत वितरण कंपनी के एसई राजेश चंद्र जैन ने बताया कि, ज्यादा टेंप्रेचर होने के कारण विद्युत ग्रिड का टेंप्रेचर सामान्य से ज्यादा बढ़ रहा है, लोगों को निर्बाध रूप से विद्युत सप्लाई हो और विद्युत उपकरण में कोई क्षति नहीं हो इसके लिए पंखे और कूलर का सहारा लेकर इनका टेंप्रेचर मेंटेन करने की कोशिश की जा रही है।

ट्रांसफार्मर को बचाने की कोशिश, गर्मी के कारण बढ़ जाता है इनका तापमान

एक ट्रांसफार्मर की कीमत 30 लाख रुपए से ज्यादा होती है। इस तरह के कूलर पंखे आदि का जतन कर सरकारी सम्पत्ति को भी बचाया जाता है। गर्मी के कारण अभी सब स्टेशनों पर लोड बढ़ गया है। ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने के लिए कूलर लगाए गए हैं। दरअसल, बिजली सब स्टेशन के ट्रांसफार्मर का तापमान निश्चित रखना पड़ता है। गर्मी के कारण जब ट्रांसफार्मर का ऑइल गर्म होने से उसका तापमान बढ़ता है जिससे ब्लास्ट का खतरा रहता है। साथ ही कई बार ट्रिपिंग की स्थिति बनती है। ट्रांसफार्मर के निश्चित तापमान को बनाए रखने के लिए ठंडक देने के लिए कूलर लगाए गए हैं। इससे पहले राजस्थान के कई जिलों में इस तरह के प्रयोग किए जाने की खबरे सामने आती रही हैं।

पत्नी की हत्या कर झूठी कहानी बनाने वाला पति गिरफ्तार

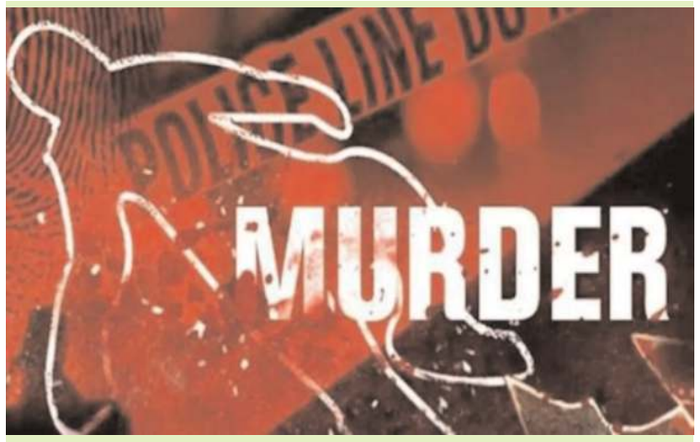

माही की गूंज, रतलाम।

पत्नी को बाथरूम में गिरने से चोट आना बताने व मौत के बाद पत्नी का शव एंबुलेंस में छोड़कर भागने के मामले में पुलिस ने मृतिका के पति के खिलाफहत्या का प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। महिला की मौत बाथरूम में गिरने से नहीं बल्कि उसके पति आरोपित 38 वर्षीय आनंद पिता कैलाश भाटी निवासी निवासी पाल्याकला थाना नागदा मंडी (उज्जैन) द्वारा होटल में विवाद करने के दौरान जानलेवा हमला करने से आई चोट के चलते हुई थी।

पुलिस के अनुसार 23 मई को एंबुलेंस चालक नीलेश पिता गुलाबसिंह निवासी भोपाल ने सालाखेड़ी पुलिस चौकी पर सूचना दी थी कि रात करीब सवा दो बजे भोपाल में आनंद नामक व्यक्ति ने फोन कर कहा था कि उसकी पत्नी गीता की मृत्यु हो गई है, उसका शव रतलाम ले जाना है। इसके बाद वह उनके साथ एंबुलेंस में शव लेकर रतलाम आया था, लेकिन आनंद इधर-उधर घुमाता रहा और सालाखेड़ी के पास एंबुलेंस में ही गीता का शव छोड़कर भाग गया था। सालाखेड़ी से शव मेडिकल कालेज भिजवाया गया था। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने जानकारी निकाली तो पता चला कि, मृतिका 38 वर्षीय गीताबाई पत्नी आनंद भाटी निवासी शिवनगर की रहने वाली है। उसने आनंद भाटी से शादी की थी। इसके बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर मर्ग कायम किया था।

मामला संदिग्ध होने पर एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने एएसपी राकेश खाखा व सीएसपी अभिनव कुमार बारंगे के मार्गदर्शन व औद्योगिक क्षेत्र टीआइ राजेंद्र वर्मा के नेतृत्व में टीम गठित कर मामले की जांच करने के निर्देश दिए थे। पुलिस ने जांच में पाया कि आरोपित आनंद अपनी पत्नी गीता के साथ घटना के पहले स्टेशन रोड स्थित होटल अशोका में ठहरा था। होटल में आनंद व गीता का किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान आनंद ने गीता पर प्राणघातक हमला कर दिया था, जिससे गीता के सिर में गंभीर चोट आई थी।

झूठ बोलकर कराया था भर्ती

पुलिस ने बताया कि आनंद ने गीता को मेडिकल कालेज ले जाकर यह कहकर भर्ती कराया था कि गीता बाथरूम में पैर फिसलने से गिरने से घायल हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद गीता को इंदौर रेफर किया था। वहां से उसे वह इलाज के लिए भोपाल ले गया था, जहां गीता की मौत हो गई थी। होटल के सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए गए।

आरोपित उज्जैन के नागदा का हिस्ट्रीशीटर

पुलिस के अनुसार आनंद के खिलाफभादंवि की धारा 302, 201 के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया था। न्यायालय ने उसे 30 मई तक पुलिस रिमांड पर रखने के आदेश दिए हैं। आनंद हिस्ट्रीशीटर बदमाश होकर उसके खिलाफउज्जैन जिले में हत्या, डकैती, अवैध हथियार लूट आदि के 23 प्रकरण दर्ज हैं।

रेल कोच रेस्त्रां के लिए अब राजेन्द्र नगर के आसपास जमीन की तलाश

इंदौर। शहर में रेल कोच रेस्त्रां की स्थापना के लिए अब रतलाम रेल मंडल ने राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन के आसपास जमीन की तलाश शुरू की है। रेस्त्रां के लिए खुला क्षेत्र तलाशा जा रहा है, जहां आगंतुकों की पार्किंग और बैठने के लिए पर्याप्त जगह हो।इससे पहले रेलवे ने सुपर कॉरिडोर पर जमीन की तलाश शुरू की थी, लेकिन बात जम नहीं पाई।

रतलाम मंडल के डीआरएम रजनीश कुमार के निर्देश पर नई जगह जमीन तलाशी जा रही है। सूत्रों ने बताया कि, राऊ स्टेशन के आसपास भी रेस्त्रां स्थापना का विचार था, लेकिन वहां भी स्टेशन के इर्द-गिर्द जमीन नहीं मिली, इसीलिए अब राजेंद्र नगर का विकल्प दिया गया है। रेलवे का वाणिज्य विभाग इस दिशा में काम कर रहा है। अफसरों का कहना है कि इंदौर स्टेशन के आसपास तो कहीं रेल कोच रेस्त्रां की जगह नहीं है। वैसे भी इस साल से वहां स्टेशन रीडेवलपमेंट का काम शुरू होना है। काम के लिए तीन साल तक स्टेशन बंद रहेगा, इसलिए वहां रेस्त्रां की स्थापना संभव नहीं है।

रतलाम का प्रयोग रहा सफल-रेलवे ने मंडल का पहला रेल कोच रेस्त्रां रतलाम में शुरू किया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इंदौर में पर्यटन निगम का रेल कोच रेस्त्रां लालबाग के पीछे स्थित है, लेकिन रेलवे का कोई रेस्त्रां नहीं है। योजना के अनुसार ठेका लेने वाली एजेंसी रेलवे से स्क्रैप कोच खरीदकर उसे रेस्त्रां में तब्दील करेगी। जमीन रेलवे उपलब्ध कराएगा और उसके बदले एजेंसी उसे तय प्रीमियम का भुगतान करेगी।

विश्व हिंदू परिषद के प्रशिक्षण वर्गसह में शामिल हुए संगठन महामंत्री विनायक राव

माही की गूंज, रतलाम। विश्व हिंदू परिषद का मध्य प्रदेश के रतलाम में प्रशिक्षण वर्ग चल रहा है। इस प्रशिक्षण वर्ग में हिस्सा लेने आए सह संगठन महामंत्री विनायक राव देशपांडे ने पाकिस्तान की नीतियों पर हमला बोलते हुए कहा कि पाक पहले समझौता करता है और उसके बाद आतंकवाद को पोषित करता है। विहिप के प्रशिक्षण वर्ग में पूरे प्रांत (इंदौर और उज्जैन सम्भाग) के 28 जिलों के चयनित शिक्षार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इनकी संख्या 100 से अधिक है। यह वर्ग 4 जून तक चलने वाला है। मंगलवार को प्रशिक्षण वर्ग में विशेष रूप से केंद्रीय सह संगठन महामंत्री विनायक राव देशपांडे और केंद्रीय प्रचार-प्रसार प्रमुख और प्रवक्ता विजय शंकर तिवारी उपस्थित रहे। विनायक राव ने कहा कि, बार-बार हमारे मंदिरों को तोड़ा जाता है, हमारी माताओं-बहनों पर अत्याचार किए जाते हैं, हमारे मान बिंदुओं पर हमले होते हैं, इसको समझने की आवश्यकता है। हमारे राजाओं ने मुस्लिम आक्रांताओं को बार-बार छोड़ा पर उन्हीं ने फिर हम पर आक्रमण किए। भारत ने युद्ध में 90 हजार पाकिस्तानी सैनिकों को बंधक बना कर वापस छोड़ दिया था, पाकिस्तान हमेशा समझौता करता

है, फिर आतंकवाद को पोषित करता है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता कहते हैं सारे धर्म समान हैं, ऐसा बोलने वाले नेताओं ने न कुरान पढ़ी है, न बाइबिल। कुरान में 24 ऐसी आयतें हैं, जो कुरान को नहीं मानने वालों के विरोध में हैं। इस्लाम और ईसाई धर्म में एक-एक धर्मग्रंथ हैं, वो एक ही ईश्वर पूजने की बात करते हैं। हमारे यहां सभी को अपनी श्रद्धा अनुसार उपासना की आजादी है, हम कहते हैं ईश्वर एक है, उनके रूप अनेक हैं, सब में ईश्वर है, वो सर्वव्यापी है। उनके मजहब में उनके ईश्वर संदेश वाहक भेजते हैं, हमारे धर्म में भगवान स्वयं अवतार लेकर धरती पर आते हैं। वो कहते हैं, हमारा ईश्वर ही एकमात्र ईश्वर है। हम कहते हैं, हमारे भगवान भी भगवान हैं। हमारे धर्म में सभी को मोक्ष और ईश्वर की प्राप्ति के मार्ग बताए गए हैं। सनातन में महिला की स्थिति का जिक्र करते हुए विनायक राव ने कहा कि हमारे यहां नारी को देवी रूप में सम्मान दिया जाता है, हम धन की देवी को लक्ष्मी, शक्ति की देवी को दुर्गा, विद्या की देवी को सरस्वती के रूप में पूजते हैं, नारी का यह सम्मान सिर्फ हिंदू धर्म में ही है। अन्य मतपंथ के अनुसार, महिलाओं को कोई विशेष अधिकार नही हैं।

एटीएम में पड़े मिले कार्ड से बच्चों ने निकाले 25 हजार, पिता ने पुलिस थाने में करवाए जमा

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में एटीएम से पैसे निकालने का एक रोचक मामला सामने आया है। बेटे की नादानीपूर्वक दूसरे के एटीएम से राशि निकालने की सूचना जब पिता को मिली तो पहले बेटे को फटकारा और तत्काल बेटे को लेकर राशि सहित थाने पहुंच गए और थाना इंचार्ज को 25 हजार 500 रुपए लौटा आए।

जिला मुख्यालय से 80 किलोमीटर दूर बड़वाह थाना इलाके का यह मामला है। कंवर कॉलोनी निवासी 28 वर्षीय योगेश पिता यादव अपने पिता जगदीश यादव के साथ थाना बड़वाह थाना पहुंचा और शिकायत की। रात्रि लगभग साढ़े 9 बजे इंडिया वन के एटीएम जय स्तम्भ चौराहा के पास मिनी स्टेटमेंट लेने गया था जिसे लेकर बाहर निकला, तभी गलती से एटीएम कार्ड वहीं पर छूट गया।

लगभग पौन घंटे में खाते से पैसे विड्रॉल के मैसेज आए तो पता चला कि खाते से 25 हजार 500 रुपए निकल गए हैं। जैसे ही खाते से पैसे विड्रॉल का मैसेज आया तो वह तुरंत उसी एटीएम पर भी पहुंचा, लेकिन उसे एटीएम कार्ड नहीं मिला। इसके बाद शिकायतकर्ता मामले की

शिकायत लेकर थाने पहुंचा।

थाना प्रभारी निर्मल श्रीवास ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत पुलिस जवान को एटीएम चैक कराने के लिए भेजा गया। प्रयास किए गए कि तुरंत सीसीटीवी फुटेज निकाले जा सकें, लेकिन देर रात्रि होने के चलते फुटेज तुरंत नहीं निकाले जा सके। पुलिस जांच में लगी ही थी, इसी दौरान थाने पर 42 वर्षीय हेमराज प्रजापत अपने 16 वर्ष के बेटे हर्ष और उसके दोस्त बादल के साथ थाने आए।

पिता ने अपना एटीएम कोर्ड देकर भेजा था बेटा

हेमराज ने बताया, मैंने बेटे हर्ष को अपना एटीएम देकर पैसे निकालने के लिए भेजा था। जो अपने दोस्त बादल के साथ इंडिया वन के एटीएम जय स्तम्भ चौराहा के पास पैसे निकालने गया था। वहीं पर उन्हें एक एटीएम कार्ड गिरा हुआ मिला। इसका उपयोग करके उन्होंने 25 हजार 500 रुपए निकाल लिए। जब बेटा हर्ष घर आया तो उसने पूरा घटनाक्रम बताया, उसके बाद मैं अपने बेटे को और उसके दोस्त को साथ लेकर थाने आया। थाना प्रभारी से संपर्क किया। थाना प्रभारी ने शिकायतकर्ता योगेश यादव को बुलाकर उसके खाते से निकाले गए 25 हजार 500 रुपए दिलाए। घटना में पिता हेमराज ना सिर्फ ईमानदारी की मिसाल पेश की, बल्कि बच्चों को भी अच्छी समझाइश दी। इसके लिए थाना प्रभारी निर्मल श्रीवास और मौजूद स्टाफने हेमराज को नकदी राशि देकर सम्मानित किया।

एटीएम कार्ड का पासवर्ड दो बार में ही हुआ मैच

एटीएम मशीन पर कई बार उपभोक्ता राशि निकालने के बाद कार्ड भूल जाते हैं। रोचक बात यह रही कि जब हर्ष को अपने दोस्त के साथ में एटीएम मिला तो दो बार कोशिश करने पर ही पासवर्ड मैच कर गया और उसने नादानी में राशि निकाल ली। हालांकि, उसने तत्काल अपने पिता को पूरी घटना बताकर मासूमियत पेश की। इसके चलते पिता ने तत्काल थाने जाकर राशि जमा कराई। पुलिस का कहना है एटीएम कार्ड का स्ट्रांग पासवर्ड बनाना चाहिए। सरल पासवर्ड होने से किशोर ने नादानी में ट्राय किया और पासवर्ड मैच कर गया।

4 स्थानों पर आयकर की पड़ी रेड, सुबह से शुरू हुई कार्रवाई

माही की गूंज, खरगोन। जिले में चार स्थानों पर आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा। टीम ने बुधवार की सुबह 6 बजे से कार्रवाई शुरू कर दी। विभाग ने खरगोन के बिस्टान रोड स्थित चार फर्म श्री प्रभु ट्रेडर्स, श्री हरि इंटरप्राइजेस, राधाकृष्ण माथुरालाल दाल मिल सहित आरएम ईशान कोल्ड स्टोरेज पर छापा मारा है। फिलहाल विभाग की कार्रवाई जारी है।

30 से अधिक अधिकारी छापेमारी के लिए खरगोन पहुंचे

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर सहित महाराष्ट्र के 15 से अधिक वाहनों में पुलिस कर्मियों के साथ आयकर विभाग की टीम खरगोन पहुंची है। वहीं 30 से अधिक आयकर अधिकारी और कर्मचारी आज सुबह से कार्रवाई में जुटे हुए हैं। फिलहाल चारों स्थानों पर आयकर विभाग की टीम दस्तावेज खंगाल रही है, जिसमें बड़ी राशि की कर चोरी की आशंका जताई जा रही है।

इनकम टैक्स विभाग की चल रही छापेमारी

बता दें कि, जिन जगहों पर आयकर विभाग की कार्रवाई चल रही है वो सभी नगर की प्रतिष्ठित संस्थाएं हैं। जानकारी के मुताबिक, आयकर विभाग ने आयकर की चोरी के सिलसिले में इन संस्थानों पर रेड मारी है। फिलहाल आयकर की टीम दस्तावेज खंगाल रही है। माना जा रहा है कि, ये कार्रवाई शाम तक यूं ही जारी रहेगी। फिलहाल इस मामले में फर्म संचालक और आयकर विभाग की तरफसे कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

कलेक्टर ने प्रत्याशियों के साथ किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कर्मवीर शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना ने खरगोन-बड़वानी लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के साथ पीजी कॉलेज खरगोन में बनाए गए स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रत्याशियों को बताया गया कि, स्ट्रांग रूम तीन स्तरीय सुरक्षा के घेरे में रखा गया है। सभी विधानसभा क्षेत्र की ईव्हीएम स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रखी गई है और उन पर सीसीटीव्ही कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। स्ट्रांग रूम की हर गतिविधि सीसीटीव्ही कैमरे के माध्यम से कंट्रोल रूम में लगाई गई बड़ी टीव्ही स्क्रीन पर देखी जा सकती है। इस दौरान प्रत्याशियों को मतगणना के लिए की गई तैयारियां भी दिखाई गई।

शादी के आठवें दिन 8 लोगों को युवक ने कुल्हाड़ी से काटा

छिंदवाड़ा।

मध्य प्रदेश से एक दिल दहला देने वाली खबर आई है। एक 27 वर्ष का शख्स अपने परिवार के आठ लोगों को कुल्हाड़ी से काट डाला। इसके बाद वह अपने पड़ोसियों पर अटैक करने गया। इस दौरान एक बच्चा घायल हो गया। लेकिन जब आरोपी को एक महिला ने देखा तब वह वापस घर आकर एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटक गया। हैरानी की बात तो यह है कि शख्स की घटना के आठ दिनों पहले (21 मई) को शादी हुई थी। नई जिंदगी की शुरुआत करने के आठ दिनों बाद ही उसने आठ लोगों की जान ले ली जिसमें उसकी पत्नी भी शामिल है। यह छिंदवाड़ा जिले की घटना है। आरोपी की पहचान दिनेश के रूप में हुई है।

आठ दिनों पहले हुई शादी

दिनेश की 21 मई को शादी हुई थी। शादी के आठ दिनों बाद उसने अपने परिवार के आठ लोगों को कुल्हाड़ी से काट डाला। जब आरोपी ने हमला किया तब घर के सभी लोग गहरी नींद में सो रहे थे। सभी को जान से मारने के बाद वह पड़ोसियों पर अटैक करने गया। लेकिन तभी शौच के लिए उठी एक महिला ने उसे देख लिया। आरोपी वहां से भागकर अपने घर गया और फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर

ली।

खून से नहाने वाले दरिंदे की कहानी

इस दहला देने वाले सामूहिक मर्डर और सुसाइड केस के बाद दिनेश के चाचा ने बताया कि, वह मेरे भाई का बेटा था। करीब एक वर्ष पहले उसने मानसिक संतुलन खो दिया था। लेकिन इलाज के बाद वह ठीक हो गया। 21 मई को उसकी शादी थी। लेकिन शादी के बाद उसे फिर मानसिक दिक्कतें होने लगीं। मंगलवार की रात उसके घर के सभी लोग आंगन में सो रहे थे। तभी उसने कुल्हाड़ी से सभी को काट डाला। जानकारी के मुताबिक, दिनेश ने अपनी पत्नी, मां, बड़े भाई, बड़ी भाभी, अपनी छोटी बहन और अपने तीन भतीजों की हत्या कर दी।

फिर पेड़ से लटक गया दिनेश

दिनेश के चाचा ने आगे बताया कि, रात में मेरी एक भाभी शौच के लिए उठी थीं। उन्होंने तब आरोपी को कुल्हाड़ी के साथ देखा। भाभी ने कुल्हाड़ी छीननी चाही। लेकिन दिनेश ने उनके पोते पर अटैक कर दिया। हमले में बच्चा घायल हो गया। भाभी ने तब अपने बेटे को बुलाया। इसके बाद दिनेश वहां से भाग गया। जानकारी के मुताबिक, परिवार के आठ लोगों को मारने के बाद आरोपी एक पेड़ पर फंदे से लटक गया। यह छिंदवाड़ा के बोदल कछार गांव की घटना है। पुलिस की टीम मौके पर है। आठ लोगों की हत्या और सुसाइड केस के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

जेल प्रहरी की हुई मौत में छुट्टी न मिलने के लग रहे आरोप

माही की गूंज, खरगोन।

जिले की कसरावद उप जेल प्रहरी राजीव सिह अर्गल (29) को उनके आवास पर अचेत हो गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मुरैना से पहुंचे परिजनो ने छुट्टी नहीं मिलने से तनाव में होने की जानकारी दी। साथ ही कसरावद जेल अधीक्षक धर्मवीर सिह पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए है। परिजन के मुताबिक जेल प्रहरी 27 मई को दो वर्ष की बेटी और पत्नि के साथ छुट्टी पर अपने गृह क्षेत्र मुरैना जाने वाला था। एएसपी एमएस बारिया का कहना है पोस्टमार्टम कराया गया है। आरोपों की

मर्ग जांच के तथ्यों के आधार पर कार्रवाई होगी।

फिलहाल खरगोन व कसरावद उप जेल अधीक्षक भोपाल ट्रेनिंग पर है। परिजन का यह भी कहना है कसरावद उप जेल अधीक्षक ने भोपाल से मोबाइल पर छुट्टी पर नही जाने के निर्देश दिए थे। घटनाक्रम की जानकारी मिलने पर मंगलवार दोपहर बडवानी जिला जेल अधीक्षक शिफाली तिवारी भी कसरावद पहुंची। जेल प्रशासन पोस्टमार्टम के बाद जेल प्रहरी का शव मुरैना पहुंचाने की तैयारी कर रहा है।

2015 से तैनात थे, अधीक्षक से परेशान थे

जेल प्रहरी के ससुर रामेश्वर दयाल तिवारी ने कसरावद जेल अधीक्षक धर्मवीर सिंह पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि मेरे दामाद 2015 से यहां पर पदस्थ थे। तैनाती के बाद से ही प्रताड़ित किया जा रहा था। वे छुट्टी पर जाने वाले थे। रिजर्वेशन भी करा लिया गया था, लेकिन छुट्टी निरस्त कर दी गई।

गर्मी में बढ़ रहा नर्मदा का बैकवॉटर

माही की गूंज, बड़वानी।

भीषण गर्मी के बीच बीते सप्ताह से समीप नर्मदा नदी में बैकवाटर लगातार बढ़ रहा है। रविवार शाम को करीब 121.500 मीटर तक बैकवाटर रहा। इससे घाट पर बना छोटा मंदिर डूब गया और छत्रियों की जमीन डूब गई। वहीं नए घाट का निचले हिस्से की सीढ़ियां जलमग्न हो गई। नर्मदा में पानी बढ़ रहा है। बढ़ते बैकवाटर के चलते घाट निर्माण समिति द्वारा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से गहरे पानी में स्नान नहीं करने का आह्वान किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि, राजघाट-कुकरा सरदार

सरोवर बांध की डूब में शामिल है। यहां खतरे का निशान 123.280 मीटर है। जिसके विरूद्ध फिलहाल बैकवाटर 121.500 मीटर तक पहुंच गया है। भक्तों ने बताया कि, बीते चार-पांच दिन से बैकवाटर एकाएक बढ़ रहा है। क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए विशेषकर शाम के समय बड़ी संख्या में लोग नर्मदा स्नान के लिए पहुंच रहे है। महिला-पुरुषों के साथ ही युवा-बच्चे जलक्रीड़ा का आनंद ले रहे हैं।

सरकारी कर्मचारी के अंतरजातीय विवाह पर सरपंच काका ने किया बवाल

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला मुख्यालय से करीब 12 किमी दूर जूनाझिरा में रहने वाली युवती जो देवास में शासकीय नौकरी करती है। उसने अपनी पसंद के अन्य समाज के खरगोन निवासी युवक से शादी कर ली। जब युवती अपने पति के साथ अपने गांव आई, तो उसके काका और चचेरे भाई सहित अन्य स्वजनों ने अभद्र व्यवहार करते हुए विवाद किया और उसके घर पर पथराव कर हमला कर दिया। सूचना पर 100 डायल को फोन लगाकर पुलिस का बुलाना पड़ा, तब जाकर मामला शांत हुआ। इस मामले को लेकर संबंधित युवती की मां फरियादिया की रिपोर्ट पर सिलावद पुलिस ने जूनाझिरा निवासी कैलाश पुत्र रामा, राजू पुत्र रामा और संदीप पुत्र कैलाश वास्कले तीनों निवासी ग्राम जूनाझिरा के विरूद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया। बता दें कि कैलाश वास्कले ग्राम के सरपंच हैं और फरियादिया रिश्ते में उनकी भाभी है और अंतरजातीय विवाह करने वाली माया वास्कले उनकी भतीजी लगती है।

यह है मामला

फरियादिया सकुंतला पति रमेश वास्कले ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि उसकी लड़की माया वास्कले, जो देवास में शासकीय नौकरी करती है। उसने अपनी पसंद के लड़के कमलेश निवासी खरगोन से शादी कर ली। माया को लड़का पसंद होने से हम पूरे परिवार वालों ने अपनी सहमति देकर माया की शादी कमलेश से करवा दी। शादी के बाद माया व उसका पति कमलेश हमारे गांव मेहमान आया है। इस दौरान रविवार शाम पांच बजे फरियादिया के देवर कैलाश वास्कले व राजू वास्कले घर उनके घर आए और बोले की माया ने दूसरी समाज में शादी क्यों की। उसको हम यहां नहीं रहने देंगे। इसके बाद अभद्र व्यवहार कर घर पर पत्थर मारे। जिससे घर के खिड़की के कांच टूट गए और नुकसान हुआ। साथ ही जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इसके बाद फरियादिया सिलावद थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज करवाई।

तालाब की खुदाई के दौरान जेसीबी के पंजे में फंसी थैली से निकली लाखों रुपए की गड्डियां

आगर मालवा। आगर मालवा के प्रसिद्ध मोती सागर तालाब में बुधवार को लाखों रुपए से भरी एक थैली मिली। नगर पालिका ने सड़ चुके नोटों की थैली जब्त कर पुलिस विभाग को सौंप दी है। अब पुलिस और प्रशासन इस पूरे मामले की जांच में लगा हुआ है। दरअसल, आगर मालवा स्थित मध्य प्रदेश के दूसरे सबसे बड़े मोती सागर तालाब में गर्मी के मौसम में गहरीकरण का काम चल रहा था। ऐसे में जब वहां गहरीकरण हो रहा था तभी जेसीबी चालक को खुदाई के दौरान एक थैली दिखाई दी और उसमें कुछ नोट जैसे कागज दिखाई दिए। यह देख जेसीबी चालक कर्मचारी ने नगर पालिका अमले को सूचना दी। सूचना मिलने पर नगर पालिका के कुछ अधिकारी और अध्यक्ष मौके पर पहुंके। उन्होंने देखा तो उस थैली में काफी मात्रा में 500-500 रुपए के नोट भरे हुए थे। पहली नजर में गड्डियों को देखने पर करीब 5 से 7 लाख रुपये होने का अनुमान लगा। नगर पालिका अध्यक्ष नीलेश पटेल ने बताया कि, तालाब की खुदाई के दौरान मिलीं नोटों की अधिकांश गड्डियां पानी और मिट्टी के कारण गल व सड़ गई हैं। फिलहाल नगर पालिका ने पुलिस को मौके पर बुलवाया और खराब हो चुकी मुद्रा को सौंप दिया।

अध्ययन-अध्यापन में आधुनिक तकनीक का प्रभाव एवं उपयोगिता को लेकर एक दिवसीय वेबीनार का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय कन्या महाविद्यालय बड़वानी में प्राचार्य डॉ. वंदना भारती एवं प्रभारी डॉ. जगदीश मुजाल्दे के मार्गदर्शन में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एनएल गुप्ता द्वारा मुख्य वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया तथा प्राचार्य डॉ. वंदना भारती द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन देकर वेबीनार के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. महेश कुमार निंगवाल द्वारा बताया गया कि, वेबीनार में प्रथम मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विनोद सिंह गौर, सह प्राध्यापक, वनस्पतिशास्त्र, एनसीईआरटी, रिज़नल इस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन, मैसूर (कर्नाटक) आमंत्रित थे। इनके द्वारा ÷प्रस्पेक्टिव ऑन डिजिटल लर्निंग÷ विषय पर उद्बोधन दिया गया। जिसमें उन्होंने डिजिटल लर्निंग के विभिन्न माध्यमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि सामान्य बच्चों के साथ दिव्यांग विद्यार्थी भी इन माध्यमों की सहायता से सुगमतापूर्वक ज्ञानार्जन कर सकते है एवं ई-लर्निंग पूरी दुनियाँ को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। आधुनिक तकनीकी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के माध्यम से हम बिना तकनीकी विशेषज्ञता के भी अपनी शिक्षण पद्धति में आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर सकते है। द्वितीय सत्र की मुख्य वक्ता डॉ. उषा किरण अग्रवाल प्राध्यापक, मनोविज्ञान शासकीय दु.बा. महिला स्नातको. महावि. रायपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा ÷मॉडर्न टीचिंग टेक्नोलॉजी÷ विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि डिजिटल लर्निंग से हमारे ज्ञान प्राप्ति के साधन व तरीके बदल रहे है। अतः प्राचीन शिक्षण विधा में नवीन तकनीक का प्रयोग कर हम अपने शिक्षण को प्रभावी बना सकते है परंतु इस दौरान हमें स्पष्टता, संक्षिप्ता व शुद्धता का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक छात्रों में सीखने की प्रक्रिया को प्रेरित करती है जिससे विद्यार्थी ज्ञानार्जन कर अन्वेषणात्मक एवं सृजनात्मक क्षमता का विकास कर सकते है। इस अवसर पर डॉ. जगदीश मुजाल्दे द्वारा शोध पत्र का वाचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन, सह संयोजक प्रो. सीमा नाईक द्वारा किया गया एवं आभार डॉ. दिनेश सोलंकी द्वारा व्यक्त किया गया। तकनीकी समिति के सदस्य डॉ. शोभाराम वास्केल, श्री अरशद खान, प्रो. प्रियंका शाह, डॉ. अंकिता पागनिस ने वेबीनार के आयोजन में विशेष सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. कविता भदौरिया, डॉ. रविन्द्र बरडे, डॉ. सुनीता भायल, डॉ. प्रियंका देवड़ा, डॉ. विक्रमसिंह भिड़े, प्रो. शोभाराम वास्केल, डॉ. अंकिता पागनिस, श्रीमती रेखा बिसेन, अरशद खान, प्रो. प्रियका शाह कृष्णु यादव, संदीप दासौंधी समस्त स्टॉफसहित छात्राएँ उपस्थित रही। इसके अतिरिक्त अन्य महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं शोधार्थियों ने वेबीनार से जुड़कर अपने जिज्ञासाओं का समाधान किया।

किसान ग्रीष्मकालीन मूंग के लिए करवाएं पंजीयन

माही की गूंज, बड़वानी।

भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन मूंग फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए उपार्जन पोर्टल पर किसान अपना पंजीयन 5 जून तक करा सकते हैं।

पंजीयन के लिए ज़रूरी दस्तावेज़-उप संचालक कृषि श्री आर एल जामरे से प्राप्त जानकारी अनुसार मूंग का समर्थन मूल्य 8 हजार 558 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। अतः किसान 05 जून तक मूंग फसल का पंजीयन जिले की 12 आदिम जाति सहकारी समितियों के माध्यम से करा सकते हैं। किसानों को पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज एवं आधार कार्ड, बैंक पासबुक की फोटो एवं अन्य दस्तावेज साथ लेकर पंजीयन कराना होगा।

पंजीयन केन्द्र-आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बड़वानी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था पाटी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था अंजड, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था ठीकरी, खाण्डेराव सहकारी विपणन संस्था कृषि उपज मण्डी राजपुर, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था राजपुर, सेंधवा विपणन सहकारी संस्था मर्यादित संस्था सेंधवा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बलवाड़ी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था धनोरा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था निवाली, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था कृषि उपज मण्डी पानसेमल, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था खेतिया में पंजीयन केन्द्र बनाए गए हैं।

मतगणना तैयारियों के लिए समीक्षा बैठक हुई आयोजित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मतगणना के लिए की जा रही तैयारियों के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी मध्य प्रदेश अनुपम राजन द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियांशी भंवर, सहायक रिटर्निंग अधिकारी तपीस पांडे, वीरेंद्र सिंह बघेल, नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल एवं सुश्री निधि मिश्रा उपस्थित थे। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजन ने ईवीएम स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल पीजी कॉलेज अलीराजपुर लाए जाने के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों एवं ईवीएम की 24 घंटे वेब कास्टिंग एवं सीसीटीवी के द्वारा निगरानी रखे जाने के बारे में निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने इस दौरान बताया कि, जिला प्रशासन द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है, साथ ही मतगणना स्थल पर पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है, उन्होंने बताया की पीजी कॉलेज अलीराजपुर में ही मीडिया सेंटर भी बनाया जाएगा।

जल जीवन मिशन के तहत नए पाइप डालने में तोड़ा पुराना पाइप

इन्द्रा आवास एवं वार्ड चार में तीन दिनों से जलप्रदाय ठप्प, भीषण गर्मी में पानी को तरसे लोग

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ में विगत दो वर्षों से अधिक समय से कछुआ चाल से चल रही जल जीवन मिशन योजना, ठेकेदार एवं प्रशासन की मिली भगत से आज तक पूरी नहीं हो सकी है। जन-प्रतिनिधियों, पत्रकारों ने कई बार आवाज उठाई मगर नतीजा शून्य बना हुआ था। समाचार पत्रों में पुनः समाचार प्रकाशन के बाद ठेकेदार द्वारा कस्बे में पूर्व से संचालित नल योजना की टंकी के पुराने पाइप में नवीन पाइप जोड़ने का प्रयास करते समय पुराना पाइप तथा नाली एवं नाली की रपट तोड़ दी गई। पाइप टूटने के कारण वार्ड क्रमांक 4 सहित हरिजन आवास इन्द्रा आवास फलिया में विगत तीन चार दिनों से जलप्रदाय ठप्प होने से लोग भरी गर्मी के मौसम में बूंद बूंद पानी को तरस रहे हैं। जानकारी के अनुसार केंद्र शासन की महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन क्षेत्र में अनेक स्थानों पर अधूरी पड़ी होकर दम तोड़ रही है। इसी कड़ी में आम्बुआ में भी विगत 2 वर्षों से अधिक समय से ठेकेदार द्वारा कार्य कराया जा रहा है। जिसके लिए कस्बे से 2 किलोमीटर दूर काला दगड़ा फलिया में एक टंकी का निर्माण कराया गया तथा क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्रारंभ किया गया। कार्य के शुभारंभ से ही कार्य में घोर अनियमितता बनी रही। कस्बे में पाइप लाइन नहीं बिछाई गई जिसकी शिकायत बार-बार की गई मगर कोई कार्यवाही ना कर ठेकेदार तथा प्रशासन की मिली भगत से पुरानी टंकी के पुराने पाइप में इस योजना को जोड़ा जा रहा है। जुड़ाई कार्य में जेसीबी द्वारा पुराना पाइप तोड़ देने के कारण वार्ड नंबर 4 एवं हरिजन आवास, इन्द्रा आवास फलिया में विगत तीन-चार दिनों से जलप्रदाय ठप्प होने के कारण भीषण गर्मी में लोग परेशान हो रहे हैं। इसी योजना के तहत पंचायत क्षेत्र के ग्रामीण फलियों में भी जलप्रदाय अभी तक नहीं किए जाने के कारण घरों के बाहर बने नल स्टैंड मुंह चिढ़ा रहे हैं। इस आशय का समाचार विगत दिनों माही की गूंज ने प्रमुख प्रमुखता से उठाया था जिसके बाद यह कार्य पुनः प्रारंभ तो हुआ मगर योजना की शर्तों के अनुसार कार्य नहीं कराया जाकर ठेकेदार की मन मर्जी से कार्य हो रहा है।

अनियमित्ता पाए जाने पर कलेक्टर ने जारी किए नोटिस

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर के निर्देशानुसार स्वास्थ्य, राजस्व, एमपीईबी की संयुक्त टीम ने जिले के छः हॉस्पिटल का फायर ऑडिट किया। इस दौरान भाभरा के भूरिया एवं माधवी हॉस्पिटल के ऑडिट के दौरान फायर एक्सटिंगुशर , फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर आदि नहीं पाए गए। अलीराजपुर स्थित संगम और यूनिकेयर हॉस्पिटल में फायर अलार्म सिस्टम, फायर एक्सटिंगुशर, फायर फाइटर आदि आग बुझाने वाले मानक यंत्र नहीं मिले, इस प्रकार इन अस्पतालों में आग से सुरक्षा के मानकों में भारी अनियमित्ता पाई है। इस प्रकार की अनियमित्ता पाए जाने पर कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने संबंधित अस्पताल को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए एवं सुधार न होने पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने कहा कि, अस्पतालों में इस प्रकार की अनियमित्ता जान माल की हानि का कारण बन सकती और इस प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. कल्याणें, तहसीलदार अलीराजपुर हर्षल बेहरानी, एमपीईबी अधिकारी पुरुषोत्तम बैरागी, सिविल सर्जन धोखे समेत संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

गंभीर आर्थिक अनियमित्ता के चलते पंचायत सचिव रविन्द्र कनेश निलंबित

माही की गूंज, उदयगढ़।

उदयगढ़ विकासखण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सागोटा मे पदस्थ पंचायत सचिव रविन्द्र कनेश जो आज वर्तमान ग्राम पंचायत बडा ईटारा के सचिव पद पर कार्यरत है को गंभीर अनियमित्ता के चलते जिला पंचायत सीओ अभिषेक चौधरी ने निलंबित कर दिया है।

ग्राम पंचायत बडा ईटारा मे कुल पंजीकृत पेंन्शन हितग्राहियों की संख्या 96 है जिनकी 24 मई तक ई-केवायसी करना अनिवार्य थी। किन्तु सचिव कनेश की लापरवाही के चलते 47 पेन्शन हितग्राहीयो की ई-केवायसी शेष रह गई। जबकि उक्त कार्यो को समय सीमा मे करने हेतु समय-समय पर सचिव कनेश को मौखिक, पत्राचार व दुरभाष के माध्यम से कई बार निर्देशित किया जाता रहा किन्तु सचिव कनेश द्वारा उक्त कार्य मे रुची नही ली गई। ये ही नही सचिव रविन्द्र कनेश को कार्यालयीन आदेश क्रमाक /256/ जि,प,- स्थापना /2024/ अलिराजपुर द्वारा 23 जनवरी को आदेशित कर यह ताकिद किया गया था कि, ग्राम पंचायत टोकरिया झीरण का अतिरिक्त प्रभार जो सचिव रविन्द्र कनेश के पास ही था का चार्ज भगवानसिह चौहान पंचायत सचिव को तत्काल सौंपा जाकर आदेश का पालन कर अपना प्रतिवेदन जिला पंचायत अलिराजपुर को प्रेषित करे। किन्तु सचिव रविन्द्र कनेश ने निलंबित दिनांक तक भगवानसिह सचिव को ग्राम पंचायत टोकरिया झीरण का चार्ज नही दिया जाकर स्वय के डिजिटल सिग्नेचर के माध्यम से पंचायत का भुगतान किया जा रहा था। जो कि घोर आर्थिक अनियमित्ता होकर कदाचार की श्रेणी मे आता है। उक्त समस्त तथ्यो को दृष्टिगत रखते हुए रविन्द्र कनेश सचिव को मप्र पंचायत कोष (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 मे निहित प्रावधानो के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। निलंबन अवधि मे कनेश का मुख्यालय जनपद पंचायत अलिराजपुर किया गया।

पूर्व विधायक पांचीलाल मेड़ा की पत्नी की खदान को किया सील

माही की गूंज, धार।

धरमपुरी के पूर्व विधायक पांचीलाल मेड़ा की पत्नी हंसा मेड़ा की खदान को खनिज विभाग ने मंगलवार को सील कर दिया। विभाग को शिकायत मिली थी कि खदान आवंटन निरस्त होने के बाद भी उत्खनन किया जा रहा है। इस पर विभाग ने कार्रवाई की। वहीं 12 लाख रुपये पहले के जमा करने के लिए कहा गया था। जिला खनिज विभाग अधिकारी ने जेएस भिड़े बताया कि खनिज व स्थानीय राजस्व विभाग की टीम के साथ धरमपुरी अंतर्गत ग्राम बगवान्या स्थित खदान पर पहुंची। यहां पर यूनिट संचालन के स्थान से लेकर क्रेशर मशीन को भी सील करने की कार्रवाई की।

ग्राम बगवान्या तहसील धरमपुरी में हंसा पति पांचीलाल मेडा के नाम से सर्वे नंबर 392 रकबा क्रमांक 2-500 हेक्टेयर दिनांक 11-07-2019 से 10-07-2029 तक के लिए स्वीकृत की गई थी। गत दिनों शिकायत प्राप्त होने पर खनन का पट्टा अनियमित्ताओं के कारण कलेक्टर धार ने 7 मई को निरस्त कर दिया था। इसके बावजूद यहां खदान किया जा रहा था। पूर्व विधायक की पत्नी के नाम से आवंटित इस खदान से गिट्टी सहित मिट्टी निकालने का काम हो रहा था। खनिज अधिकारी के अनुसार विभिन्न अनियमितता के कारण खदान को निरस्त किया गया था, किंतु मौके पर काम किया जा रहा था। इसी कारण खनिज व राजस्व विभाग की टीम की निगरानी में सील किया गयाा।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा यह कार्रवाई की गई है। अधिकारी ने बताया कि, हमें 12 लाख रु का राजस्व लेना है। इसको लेकर नोटिस जारी किया था। खनिज विभाग की एक ओर टीम ने नर्मदा क्षेत्र में हो रहे अवैध उत्खनन पर कार्रवाई की।

सूचना पर खनिज विभाग की एक टीम ने औधोगिक नगरी पीथमपुर सहित धरमपुरी क्षेत्र में पहुंची। खनिज अधिकारी संदेश पिपलोदिया ग्राम कोठडा पहुंचे। यहां पर अवैध परिवहन, ओवरलोड, उत्खनन को लेकर 1 डंपर, 1 जेसीबी, दो टैक्टर ट्राली जब्त की है। इन वाहनों को संजय जलाशय चौकी व धरमपुरी थाने पर पुलिस की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। इन वाहनों के विरुध्द मप्र खनिज 2022 के नियमों के तहत अर्थदंड की कार्रवाई की जाएगी। वाहन संचालकों से करीब 3 लाख रु का अर्थदंड वसूला जाएगा।

डीआईजी अचानक पहुंचे पुलिस थाने किया निरीक्षण

माही की गूंज, उज्जैन।

उज्जैन रेंज डीआईजी नवनीत भसीन शाजापुर जिले के मक्सी थाना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने थाना क्षेत्र कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर किया जा रहे काम, जिले में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने, अपराधों के पेंडिंग मामले एवं थाना परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था व महिला हेल्पलाइन संबंधित आने वाली शिकायतों के रजिस्टर को चेक किया।

उन्होंने थाना और बीट प्रभारियों को हिस्ट्रीशीटर निगरानीशुदा बदमाशों पर निगरानी रखने और कोई जिला बदर क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर पाए, इसके निर्देश दिए। साथी उन्होंने मक्सी थाने के हवालात परिषद कक्ष को देखा। वहीं, थाना क्षेत्र के कानून व्यवस्था की स्थितियों का जायजा लिया। वहीं फरियादियों पीड़ितों की तत्काल हर संभव मदद करने के निर्देश दिए।

एसडीओपी ने थाने में किया रात्रि विश्राम, थाना प्रभारी को दिए आवश्यक निर्देश

माही की गूंज, जोबट।

मध्यप्रदेश के डीजीपी सुधीर सक्सेना द्वारा प्रत्येक पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया गया था कि अधिकारी आकस्मिक रूप से थानो का निरीक्षण करें व रात्रि हाल्ट भी थानो पर कर थाने की गतिविधि का पर्यवेक्षण करें। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक अलिराजपुर राजेश व्यास व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल के निर्देशन में जोबट

एसडीओपी नीरज नामदेव रात्रि में थाना बोरी पहुँचे उन्होंने न केवल थाने का निरीक्षण किया अपितु थाने के स्टाफ़के साथ भोजन कर उनकी समस्या जानी। इस दौरान उन्होंने थाना बोरी पर रात्रि हाल्ट करते हुए थाने की गतिविधियों का बारीकी से पर्यवेक्षण कर थाना प्रभारी बोरी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।सुबह पुनः कर्मचारियों के साथ चाय लेकर उनके साथ वक्त बिताया व थाने के कार्यो के सम्बन्ध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस प्रकार अधिकारी रात्रि में औचक रूप से थाना भ्रमण कर थाने पर ही रात्रि विश्राम करने से थाने के कार्यो में कसावट आएगी और थाने पर संचालित कार्यप्रणाली का भी बारीकी से निरीक्षण किया जा सकेगा।

कलेक्टर ने महाकाल मंदिर के ग्रिड का किया निरीक्षण जताई नाराजगी

माही की गूंज, उज्जैन।

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने मक्सी रोड पावर ग्रिड और श्री महाकालेश्वर मंदिर पावर ग्रिड का औचक निरीक्षण कर विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पावर ग्रिड कार्यालय में आमजनों द्वारा की गई विद्युत आपूर्ति संबंधी शिकायतों के रजिस्टर का अवलोकन कर शिकायतों के निराकरण की स्थिति देखीं। इस दौरान उन्होंने शिकायतकर्ताओं को रैंडमली कॉल लगवाकर उनकी समस्या के निराकरण की जानकारी भी ली।

कलेक्टर सिंह ने विद्युत आपूर्ति संबंधी शिकायतों के निराकरण में देरी पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने निर्देश दिए कि 1912 और जोनवाइस जारी हेल्पलाइन नंबर का प्रभावी ढंग से संचालन किया जाए। विद्युत संबंधी शिकायत प्राप्त होते ही उनका तेजी से निराकरण करने के गंभीरता से प्रयास करें। उज्जैन में कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित समयसीमा की बैठक में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर एमपीईबी के हेल्पलाइन नंबर 1912 और जोनवाइस जारी हेल्पलाइन नंबर पर स्वयं कॉल कर शिकायतों के निराकरण की गुणवत्ता परखी। उन्होंने कहा कि, हेल्पलाइन नंबर पर आने वाली शिकायतों का त्वरित निराकरण हो यह सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने नगर निगम को निर्देश दिए कि घाटों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं। घाटों का सौंदर्यीकरण कराएं। जिसके लिए एक डेडीकेटेड टीम लगाई जाएं। घाटों की सफाई, काई को हटाने , व्यवस्थित लाइटिंग लगाने की कार्यवाही की जाएं। पेंटिंग के इच्छुक बच्चों से घाटों पर पेंटिंग कराई जाएं। गंगा दशमी की तैयारियां भी शुरू करें।उन्होंने पेयजल व्यवस्था के भी सुचारू संचालन करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर सिंह ने 4 जून को इंजीनियरिंग कॉलेज में होने वाली मतगणना की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने मतगणना स्थल पर आवश्यक सामग्री, ग्रीष्म ऋतु की दृष्टिगत पेयजल व्यवस्था, पास, बिजली आपूर्ति, चिकित्सा, वीडियोग्राफी सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए।

शादी के दो दिन बाद ही दुल्हन बनी मां, ससुराल वालों के उड़ गए होश

माही की गूंज, धार/गुजरी।

जिले के धामनोद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कछवानिया निवासी युवती की सगाई जहांगीपुरा निवासी युवक से जनवरी 2024 में हुई थी। 20 मई 2024 को शादी हो गई। इसके दो दिन बाद ही 22 मई की सुबह करीब चार बजे नवविवाहिता के पेट में अचानक दर्द होने लगा तो पति धामनोद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गया, जहां नवविवाहिता ने बेटी को जन्म दिया। शादी के महज दो दिन बाद बच्ची के जन्म से ससुराल वालों के पैरों तले जमीन खिसक गई। बच्ची के जन्म पर ससुराल पक्ष ने नवविवाहिता से सवाल किया तो उसने पूरा घटनाक्रम बताया। बाद में धामनोद पुलिस थाना पहुंचकर अरोपित के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। नवविवाहिता ने बताया कि दो वर्ष पहले बड़े पापा के पोते की शादी में ग्राम सिमराली गई थी, जहां सुनील बघेल निवासी सराय से जान-पहचान हो गई थी। सुनील ने बात करने के लिए मोबाइल नंबर दिया था। इसके बाद से सुनील से लगातार बातचीत होने लगी थी। सुनील मिलने के लिए भी गांव कछवानिया आता था। करीब नौ महीने पहले 2023 में भी कछवानिया आया था। शादी का झांसा देकर कपास के खेत में सुनील ने दुष्कर्म किया। मैंने धमकी के डर से अपने घर में किसी को यह बात नहीं बताई। इसके बाद जब गर्भवती हो गई तो इसकी जानकारी भी कई बार सुनील को दी। इसके बावजूद तीन-चार बार गांव में ही आकर सुनील

दुष्कर्म करता रहा। नवंबर-दिसंबर महीने में फिर से गर्भवती होने की बात बताई तो सुनील ने कहा कि मैं शादीशुदा हूं, शादी नहीं करूंगा। उसके बाद बातचीत और मिलना बंद कर दिया। बदनामी के डर से किसी को कुछ नहीं बताया था। इसके बाद घरवालों ने 20 मई को शादी कर दी। धामनोद पुलिस ने सराय निवासी सुनील बघेल पर दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

साईं स्कूल ऑफनर्सिंग पर लगी शासन की सील

माही की गूंज, अलीराजपुर।

शासन के निर्देशानुसार साईं स्कूल ऑफनर्सिंग अलीराजपुर को अनसूटेबल पाए जाने पर मध्य प्रदेश नर्सिंग शिक्षण मान्यता नियम 2018 के तहत प्रदाय की गई मान्यता 12 मार्च 2024 को निरस्त कर दी गई थी। जिस पर जिला स्तर पर जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी अध्यक्ष, सीएमएचओ डॉ. कैलाश कल्याणे, जिला आयुष अधिकारी डॉ. नयनसिंह वास्केल सदस्य समिति द्वारा साईं स्कूल ऑफनर्सिंग को सील करके बंद करवाया गया। साथ ही वर्तमान में अध्ययनरत छात्रों को परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए व्यवस्था की गई है कि कॉलेज के संचालक द्वारा परीक्षा के एक दिवस पूर्व कलेक्टर कार्यालय ने लिखित सूचना करने पर ही ताले खोले जाएंगे एवं परीक्षा समाप्ति पर पुनः ताले लगा दिए जाएंगे। जिसकी जिम्मेदारी सीएमएचओ अलीराजपुर को दी गई है।

शासकीय महाविद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर भाबरा में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

शासकीय महाविद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार ÷राष्ट्रीय शिक्षा नीति और व्यावसायिक पाठ्यक्रम÷ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एवं कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, शोधार्थियो व विद्यार्थियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसएस डोडवे द्वारा किया गया। वेबीनार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप डॉ. जेसी सिन्हा प्राचार्य अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ एवं विशेष अतिथि के रूप में डॉ. अल्पना बारिया प्राचार्य क्रांतिकारी शहीद छितूसिंह किराड शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीराजपुर उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य वक्ता के रूप उपस्थित डॉ. देवेंद्र मुझाल्दा प्रोफेसर माधव विश्व विद्यालय पिंडवाड़ा सिरोही राजस्थान द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम वर्तमान में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भूमिका के संदर्भ में अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

शराब जप्ती की अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही

72 घंटे का था परमिट 80 घंटे बाद पुलिस व बाद में आबकारी ने शराब से भरे कुल 9 ट्रक में 12480 पेटी शराब जप्त की

बुधवार को पिटोल पुलिस ने फिर पकड़े शराब से भरे 4 कटेंनर

बुधवार को पिटोल पुलिस ने शराब से भरे 4 कटेंनर किए जप्त।

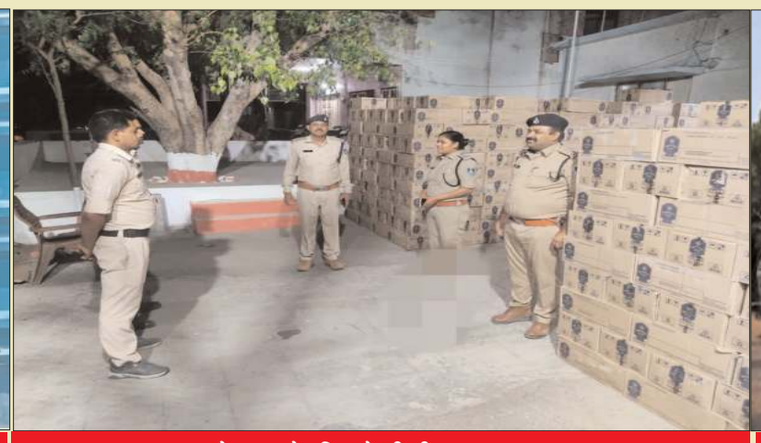

सोमवार को पुलिस ने की थी 1 ट्रक शराब जप्त।

सोमवार को आबकारी पुलिस ने 8 ट्रक शराब की जप्त।

माही की गूंज, झाबुआ।

माही की गूंज अपने समाचारों के माध्यम से पहले भी कई बार बता चुके हैं कि किस तरह से जिले में वेध शराब ठेकों की आड़ में अवैध शराब का कारोबार चलता है ,और इन माफ्मिाओं के आतंक किसी तरह से है यह भी सभी को सार्वजनिक है। वही हम यह भी बता चुके हैं कि, झाबुआ जिले में होकर अन्य राज्य में किसी तरह से बड़े पैमाने पर प्रतिदिन सैकड़ो गाड़ियां अवैध शराब के साथ अन्य नशीले पदार्थ व सोना चांदी व नगदी का भी परिवहन होता है। जिसका साक्ष्य इस लोकसभा चुनाव के दौरान लगी आचार संहिता के दरमियान बड़ी नगदी के साथ सोना चांदी जप्त करने की कुछ कार्यवाही के साथ हमारी लिखी बात सत्य भी साबित हुई है। वहीं सोमवार को पुलिस व आबकारी ने एक साथ 9ट्रक शराब से भरे पिटोल बॉर्डर पर जप्त किये। वही बुधवार को पुलिस ने फिर 4 कटेंनर शराब से भरे जप्त किये। प्रतिदिन कितनी शराब इसी तरह झाबुआ जिले में होकर परिवहन होती है यह भी सामने आ गया। देखा जाए तो एक साथ एक ही दिन व एक ही स्थान पर शराब से भरे 9 ट्रक व 4 कटेंनर जप्ती की कार्यवाही अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही कहीं जा सकती है। पर उसमें ना हीं पुलिस की उपलब्धि मानी जाएगी, ना ही आबकारी विभाग की । क्योंकि यह मात्र एक संजोग मात्र से यह कार्यवाही पुलिस व आबकारी कर पाई है।

जानकारी अनुसार सोमवार को करीब 3 बजे एक शराब से भरा ट्रक पुलिस ने किसी मुखबीर की सूचना पर पकड़ा , जिसमें इंपीरियल ब्लू ब्रांड की शराब करीब 1300 पेटी 180 एमएल पव्वे से भरी जप्त की ।

उक्त शराब का एक बड़ा जत्था एक साथ जा रहा था मुखबिरी करने वाला मुखबीर भी कोई मजबूत व्यक्ति था ,जिसने की मुखबरी दी कि ,यह एक ट्रक नहीं बल्कि 15 ट्रक से अधिक शराब ग्वालियर से भरकर दमन के परमिट पर निकली है और इसका परमिट भी खत्म हो चुका है और यह मुखबिरी पुलिस के साथ आबकारी विभाग को भी मिली और यह ट्रक किस स्थान पर खड़े हैं यह भी पुख्ता जानकारी मुखबिर ने दी। जिसके बाद आबकारी विभाग के अधिकारी सोमवार को नियत स्थान पर एक होटल पर पहुंचे ,जिसका नाम वृंदावन होटल बताया जा रहा है। जहां पर 8 ट्रक शराब से भरे मिले, जिसमें एक कंटेनर था पुलिस परमिट खत्म होने के कारण खुद कार्यवाही करना चाहती थी। परंतु आबकारी विभाग के अधिकारी कहने लगे कि हम इसकी जप्ती कार्यवाही करेंगे। जिस पर एक महिला पुलिस अधिकारी ने सख्त लहजे में आबकारी अधिकारियों को कह डाला कि आप जप्ती करके ले जाओ पर कार्यवाही अवश्य करना,ऐसा ना हो कि आप बिना कार्यवाही के इन्हें छोड़ दें। इसके बाद आबकारी अधिकारी 8 ट्रकों को झाबुआ ले गए ,और मीडिया को भी आबकारी अधिकारी गुमराह करते रहे ,कभी कहते रहे की परमिट की अवधि बढ़ाने के लिए हमारे पास मेल आए हैं। तो, कभी दो ट्रक के परमिट वैद्यता अभी वैलिड है कहते रहे। जब मीडिया ने सवाल किया कि, परमिट की वैद्यता कब बढ़ाई जा सकती है ....? परमिट वैद्यता खत्म होने के पहले मेल आने पर या फिर परमिट वैधता खत्म होने के बाद मेल आने पर...? जिस पर आबकारी अधिकारी खिसियानी बिल्ली की तरह मन मसोक कर रह गए ,और वैद्यता खत्म होने के बाद मेल आने पर मजबूरी में आपकारी अधिकारी ने कंटेनर के साथ सभी 8ट्रक में इंपीरियल ब्लू ब्रांड की शराब 180 एमएल पाव की 11,180 पेटी व्हिस्की अनुमानित कीमत 4 करोड़ 87 लाख 28हजार मूल्य आका गया व जप्त कर कार्यवाही की गई।

पुलिस ने शराब से भरे 4 कंटेनर की कार्रवाई के साथ आबकारी कार्यवाही का ले लिया बदला

पुलिस व आबकारी विभाग की पुलिस के मध्य शराब जप्ती को लेकर 36 का आंकड़ा ही रहता है। बुधवार को हुई कार्रवाई में 8 ट्रक जप्ती की कार्रवाई आबकारी ने पुलिस से छीनकर कार्रवाई की जिसका मलाल पिटोल पुलिस को था। वही एक पुलिस अधिकारी ने हमारे प्रतिनिधि को यह कह भी डाला की आबकारी विभाग से हमारा 36 का आंकड़ा है। इसी कड़ी में ग्वालियर से ही शराब भरकर दमन दीप के नाम से निकले 4 कटेनर रॉयल स्टैज ब्रांड की शराब से भरे पिटोल पुलिस ने मुखबिर के आधार पर पकड़ कर उन्हेनें आबकारी कार्रवाई का बदला लेते हुए 4990 शराब पेटी की कार्रवाई कर 4 अपराध दर्ज किए हैं। पुलिस अनुसार चालक ने कोई परमिट होना नहीं बताया। सूत्र से मिली जानकारी अनुसार ग्वालियर से दमन दीव हेतु 24 मई सुबह 5:00 बजे परमिट वैद्यता शुरू होकर सोमवार को जप्त किए यह शराब से भरे ट्रक निकले जिसे परमिट अनुसार 72 घंटे के दरमियान 27 मई को सुबह 5:00 बजे तक दमन दीव पहुंचना था लेकिन यह ट्रक 72 घंटे से अधिक होकर करीब 80 घंटे बाद पिटोल में ही शराब से भरे यह 9 ट्रक खड़े पाए गए, जिस पर उक्त कार्यवाई हुई। वही बुधवार को पिटोल पुलिस की कार्यवाही में जो 4 कटेंनर शराब से भरे जप्त किये, यह शराब भी सोमवार को जप्त की उसी जथ्थे की बताई जा रही है। यह 4 कटेंनर सोमवार की कार्यवाही के बाद रास्ते में ही रूक गये थे पर मुखबिर पक्का था और यह मुखबिर पिटोल में ही शराब को जप्त करवाना चाहता था।

जानी बाउजी का हुआ अकस्मात निधन, परिवार सहित पत्रकार जगत में शोक की लहर

माही की गूंज ,पेटलावद

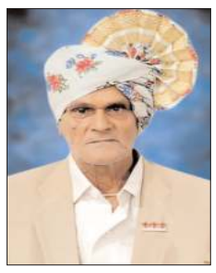

ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार मनोज जानी के पिताजी जनपद के पूर्व लेखापाल वरिष्ठ पत्रकार महेशचंद्र जानी (जानी बाउजी) 69 वर्ष की उम्र में सोमवार को अकस्मात निधन हो गया। सोमवार सुबह रोज की तरह बस स्टेशन पर घूमने के लिए पहुँचे जहां अखबार पढ़ते हुए चक्कर आये और बदहवास होकर गिर पड़े। परिवार को सूचना मिलने पर उनको तुंरत डॉक्टर के पास ले जाया गया लेकिन तब तक उनके प्राण पखेरू उड़ चुके थे। महेशचंद्र जानी के निधन की सूचना मिलते ही परिवार सहित नगर एवं पत्रकार जगत में शौक की लहर छा गई। स्व.जानी ने अपने पूरे जीवन काल में पीडित, मानवता की सेवा और धार्मिक कार्यो में अग्रणी रह कर सेवा कार्य किये। स्व.श्री जानी की अंतिम यात्रा उनके निज निवास से पंपावती नदी के तट स्थित मुक्तिधाम तक निकाली गई। जहां पर मुखाग्नि उनके पुत्र मनोज जानी के द्वारा दी गई।

शोक सभा में गणमान्य नागरिकों और लायंस क्लब, पत्रकार संघ, ब्राह्मण समाज, भारतीय जनता पार्टी, अभिभाषक संघ सहित विभिन्न संगठनों ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पीत की।

पत्रकारिता से रहा विशेष लगाव, यशवंत घोड़ावत के रहे खास

स्व. महेशचंद्र जानी उनके नोकरी काल खंड से ही पत्रकारिता में रुचि रखते थे और पत्रकारिता के भीष्म पितामह कहे जाने वाले स्व. यशवंत घोड़ावत के साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में शोषित और गरीब वर्ग के लिए काम किये और उनके पुत्र मनोज जानी को भी कलम का सिपाही बनाने में भी महेशचंद्र जानी का बड़ा हाथ है। पत्रकारिता के क्षेत्र में जानी बाबुजी कई मंचो पर सम्मानित भी हुए। स्व. घोड़ावत की याद में जिलां पत्रकार संघ झाबुआ की और से दिए जाने वाला प्रखर पत्रकारिता पुरुष्कार से आप सम्मानित किये जा चुके हैं। आपके निधन से पत्रकार जगह को भी बड़ा आघात पहुँचा है । वरिष्ठ पत्रकार स्व. जानी के निधन पर जिला पत्रकार संघ के संरक्षक मनोज चतुर्वेदी , सजंय भटेवरा, निर्भयसिंह ठाकुर, जिलाध्यक्ष राजेश सोनी, महासचिव हरिशंकर पंवार, अक्षय भट्ट, भुपेन्द्र नायक, अनिल श्रीवास्तव, डा.काबरा, मोहन संघवी,मोहन पडियार,जितेन्द्र राठोड़, राजेश वैद्य सहित संघ की नगर इकाइयों की और से श्री जानी बाउजी के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

शशिकांत का हत्यारा आखिर कौन..... ?

माही की गूंज, झाबुआ।

झाबुआ निवासी मोबाइल दुकान का संचालक शशिकांत खत्री ने संभवतः अपने किसी कार्य या व्यापार को बढ़ाने के लिए अलग-अलग व्यापारियों से पैसा लिया होगा यह तय है। यह भी तय है कि, शशिकांत व्यवहारिक रूप से बाजार में उसकी छवि नगदी लेन -देन को लेकर अच्छी थी इसीलिए व्यापारियों ने भी ब्याज दर के साथ उसे इतना रुपया दिया होगा। शशिकांत खत्री की आत्महत्या के बाद जो मामला अभी तक सामने आ रहा है जिसमें यही है कि, स्थानीय पांच व्यापारियों से ब्याज पर 5 लाख से 22 लाख तक अलग-अलग व्यापारियों से कर्ज लिया। कुल कर्ज 62 लाख के करीब सामने आ रहा है। यह रुपया किस कार्य के लिए अलग-अलग व्यापारियों से लिया और कितनी-कितनी अवधि के लिए लिया यह भी एक जांच का विषय है। परंतु शशिकांत को लंबे समय से ब्याज से रूपया देने वाले उक्त व्यापारियों को किस्तों में पैसा चुकाता भी रहा है और मूल कर्ज से दो गुना से अधिक चुका भी दिया था यह भी सामने आ रहा है। पूरी सत्यता क्या है यह तो पुलिस बता सकती है या फिर न्यायायिक फैसले के बाद ही हकीकत सामने आएगी। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि, शशिकांत खत्रि का हत्यारा आखिर कौन है.....? वह जिन्होंने रुपया दिया और उन्हें किस्तों में मूल के साथ मूल के बराबर या उससे अधिक ब्याज के साथ रुपया मिल गया था। फिर भी हिसाब किताब में निकाल कर रुपया मांगने वाले व्यापारी गुनहगार है या फिर वो पुलिस अधिकारी भी शशिकांत की मौत के बराबर के गुनहगार है , जिनको शशिकांत ने अपनी परेशानी से झूज रहे समस्या के समाधान के लिए न्याय की गुहार लगाई थी लेकिन उसे न्याय नहीं मिला और और उसको आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ा...?

अगर हम किसी नैतिकता की बात करें तो व्यापारियों को मूल व मूल से अधिक रुपया मिल जाने के बाद व्यापारियों को शशिकांत की आर्थिक हालत को देखते हुए आपसी सुलह कर बाकी लेन-देन को खत्म किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं होने पर शशिकांत इसी तरह की सुलह हो जाने की उम्मीद के साथ पुलिस के पास न्याय की गुहार लगाई होगी।

पुलिस अगर पीड़ित शशिकांत की गुहार को समय पर सुनवाई करते हुए नामजद व्यापारियों को थाने या एसपी कार्यालय बुलवाकर ही अपनी कार्रवाई करती। तथा लेनदेन का हिसाब पूछ बाकी रूपयों का खात्मा समझौता करवा देती तो शायद आज शशिकांत खत्री हमारे बीच रहता। लेकिन ना ही व्यापारियों ने अपनी नैतिकता दिखाई और ना ही पुलिस ने अपने कर्तव्य पथ की निष्ठा व नैतिकता दिखाई। नतीजन आज शशिकांत ने लिए मूल कर्ज से दो गुना से अधिक कर्ज की राशि दे देने के बाद भी, शशिकांत कर्ज की राशि से परेशान होकर मौत को गले लगाना पड़ा। तथा पत्नी और परिवार अनाथ हो गए।

पुलिस ने मामले में भले ही व्यापारी निलेश पिता नाथूलाल घोड़ावत, दिनेश पिता नाथूलाल घोड़ावत, विक्की उर्फ विक्रांत पिता सुरेश जैन ,ललित पिता रणछोड़ राठौड ,सुभाष चंद्र पिता मांगीलाल ओझा एवं ओझा के दामाद जितेंद्र के खिलाफ आत्महत्या करने को मजबूर करने के संबंध में मामला दर्ज किया। लेकिन मामले में शशिकांत द्वारा एसपी व पुलिस थाने पर रिपोर्ट करने के बाद भी सुनवाई नहीं की गई। नतीजन संबंधित पुलिस अधिकारी भी उन व्यापारियों से अधिक नहीं तो बराबर के गुनहगार , उक्त मौत के है। इस संबंध में मृतक का पुत्र व परिवार भी पुलिस पर यही आरोप लगा रहे हैं कि, अगर पुलिस शशिकांत की रिपोर्ट पर सुनवाई कर लेती तो आज शशिकांत जीवित होता।

माही की गूंज अपील करती है कि, शशिकांत की तरह और कोई भी कर्ज से परेशान व्यक्ति है तो वह हिम्मत से काम ले और सर्वप्रथम पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करवाए। पुलिस अगर ऐसे मामले में सुनवाई नहीं करती है तो मीडिया कर्मी के पास जरूर जाए, ताकि आपकी आवाज को उठाकर मीडिया के सहयोग के साथ कोई और शशिकांत की तरह घटना ना हो।

दूधी परियोजना में क्षतिपूर्ति वनीकरण हेतु वन विभाग को भूमि देने का विरोध कर रहे ग्रामवासी

माही की गूंज, खवासा।

मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के बनखेड़ी के भरावपड़ाव गांव में दूधी नदी पर करीब 22 सौ करोड़ की सिंचाई परियोजना के तहत नर्मदा विकास प्राधिकरण डैम बन रहा है। उक्त परियोजना में वन विभाग की करीब 19 सौ हेक्टर भूमि प्रभावित हो रही है। वन विभाग की उक्त प्रभावित वन भूमि के विरुद्ध क्षतिपूर्ति वनीकरण हेतु मध्य प्रदेश के अन्य जिलों से भी वन विभाग को अन्य मद की शासकीय भूमि क्षतिपूर्ति कर करीब 19 सौ हेक्टर भूमि वन विभाग को दी जाना है। इसी तारतम्य में झाबुआ जिले की प्रत्येक तहसील से अन्य शासकीय भूमि को चिन्हित कर वन विभाग को देने हेतु जिला प्रशासन अपनी प्रक्रिया में जुटा है।

इस कड़ी में थांदला तहसील में 84.530 हेक्टर भूमि वन विभाग को देना तय जिला प्रशासन ने किया है। तहसील से चिन्हित की गई कुल भूमि में से आधी के करीब मादलदा ग्राम पंचायत की 40 हेक्टर भूमि चिन्हित की गई है। जिस पर मादलदा पंचायत के ग्रामवासियों के साथ स्थानीय ग्राम पंचायत भी वन विभाग को राजस्व विभाग की शासकीय भूमि देने से इनकार कर अपना विरोध जता रहे है।

थांदला तहसीलदार ने 15 मई के आसपास पृथक-पृथक विज्ञप्तियां जारी की जिसमें ग्राम मानपुर स्थित सर्वे नंबर 340 रकबा 20.020 हेक्टर, उदयपुरिया स्थित सर्वे नंबर 652 रकबा 5.860 हेक्टर, बीड़ महुडीपाड़ा स्थित सर्वे नंबर 98/1 रकबा 8.630 हेक्टर, नारेला स्थित सर्वे नंबर 47 रकबा 6.50 हेक्टर तथा मादलदा स्थित सर्वे नंबर 1113 में 21.47 हेक्टर व मादलदा में ही सर्वे नंबर 1110/2 का रकबा 22.000 हेक्टर कुल भूमि में से 84. 530 हेक्टर आवंटन की मांग वन विभाग को देने हेतु की गई है।

उक्त संबंध में अन्य पंचायत के साथ मादलदा ग्राम पंचायत की भूमि हेतु मद हस्तांतरण हेतु तहसीलदार ने 15 मई 2024 को विज्ञप्ति जारी की जिसमें सर्वे नंबर 1110/2 कुल रकबा 21.7 हेक्टर भूमि में से दूधी परियोजना निर्माण में

वन विभाग की प्रभावित भूमि के विरुद्ध क्षतिपूर्ति वनिकरण हेतु आवंटन की मांग के साथ 20.00 हेक्टर भूमि। इसी तरह 1113 सर्वे नंबर में 21.47 हेक्टर में से भी 20.00 हेक्टर भूमि वन विभाग को देने हेतु विज्ञप्ति जारी की गई। जिसमें 29 मई को दोपहर 12 बजे तक किसी भी व्यक्ति या संस्थान को आपत्ति होने पर अपनी आपत्ति न्यायालय तहसील थांदला के समक्ष पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। जीसके बाद मादलदा के ग्रामवासी व ग्राम पंचायत, वन विभाग को जमीन देने पर आपत्ति दर्ज करवा रहे हैं। सरपंच के साथ ग्रामवासी तूफान डिंडोर, हकन उर्फहरचंद भूरिया पंच वार्ड नंबर 13, व नेहरू सिंगाड़ पंच वार्ड क्रमांक 14 ने माही की गूंज को कहा कि, सरकार को सिर्फआदिवासी बाहुल्य जिले में ही भूमि अधिकरण व वन विभाग को देने हेतु मद परिवर्तन हेतु भूमि दिखाई देती है। दूधी परियोजना में होशंगाबाद जिले की भूमि वन विभाग की गई है, तो सरकार, होशंगाबाद जिले या उसी संभाग स्तर के जिलों से अन्य मद की शासकीय भूमि को वन विभाग को दी जाए। हम आदिवासी, वन विभाग को 1 इंच जमीन नहीं देने देंगे। तहसीलदार द्वारा जारी विज्ञप्ति हमारे सामने तीन-चार दिन पूर्व ही आई है, आचार संहिता के तहत अभी ग्राम सभा की बैठक भी आयोजित नहीं हो सकती है इसलिए 29 मई को ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि व ग्रामवासी आपत्ति दर्ज कर 29 मई को लिखित में प्रतिवेदन तहसीलदार कार्यालय के साथ वरिष्ठ अधिकारियों को दिया है। वहीं 4 जून के बाद पैसा एक्ट के तहत ग्राम सभा आयोजित कर प्रस्ताव पारित कर मद परिवर्तन नहीं करने देंगे। माही की गूंज ने विरोध का कारण जाना तो ग्राम वासियों ने बताया कि, वन विभाग की भूमि पर भविष्य में कोई विकास कार्य ग्राम पंचायत के माध्यम से नहीं किया जा सकता है। अगर सरकार वन विभाग को भूमि देकर वृक्षारोपण करवाना चाहती है तो सरकार, एजेंसी ग्राम पंचायत के माध्यम से राशि आवंटन कर वृक्षारोपण करवाये, जिसके लिए ग्राम पंचायत तैयार है। हम किसी भी स्थिति में आगमी विकास कार्य को बाधित नहीं होने देना चाहते हैं इसलिए हम उक्त राजस्व भूमि का हस्तांतरण वन विभाग में नहीं होने देंगे।

विज्ञप्ति में तहसीलदार ने की त्रुटि

सर्वे नंबर 1110/2 में कुल रकबा 22 हेक्टर है जो रिकॉर्ड ऑनलाइन खाता नकल में भी दिखा रहा है। वहीं पटवारी ने भी अपने पंचनामे में 22 हैक्टर भूमि ही दर्शायी है लेकिन वहीं 15 मई को तहसील कार्यालय से जारी विज्ञप्ति में उक्त सर्वे क्रमांक में कुल भूमि 22 हैक्टर के स्थान पर कुल रकबा 21.07 दर्शाया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422